RNI No: DELMUL/2012/47011

06 नवंबर, 2026 शुक्रवार

नई दिल्ली
मूल्य : 01 रुपए
पृष्ठ : 08
वर्ष : 14
अंक : 218

अनोखे अंदाज और निराले तेवर के साथ इन्साफ की डगर पर

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

www.timesofpedia.com Email: timesofpedia@gmail.com



23 साल का शानदार सफर खत्म, रोनाल्डो ने की संन्यास की घोषणा 07

शेयर बाजार में दो दिन पहले ही दिवाली

सेंसेक्स 2009, निफ्टी 576 अंक उछला, साल की दूसरी सबसे बड़ी बढ़त; अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में ट्रम्प की हार समेत 4 वजह

मुंबई। धनतेरस से एक दिन पहले आज 5 नवंबर को सेंसेक्स 2009 अंक या 2.60त्न चढ़कर 79,310 पर बंद हुआ। इसे तेजी से निवेशकों की दौलत 8 लाख करोड़ से ज्यादा बढ़ गई। निफ्टी में भी 576 अंक या 2.40 प्रतिशत की तेजी रही, ये 24,537 के स्तर पर बंद हुआ है। निफ्टी ने 4 सितंबर के बाद पहली बार 24 हजार का आंकड़ा पार किया। ये इस साल की सेंसेक्स की दूसरी बड़ी बढ़त है। 8 अप्रैल को सेंसेक्स 2,946 अंक चढ़ा था।

लार्जकैप शेयरों में तेजी आगे भी रह सकती है

विदेशी निवेशकों की शुरुआती खरीदारी से बड़े शेयरों में उछाल है। विजयकुमार को उम्मीद है कि अभी बैंकिंग और फाइनेंशियल सेक्टर के दिग्गज शेयरों में और तेजी दिख सकती है। उन्होंने कहा कि लार्जकैप शेयरों में अभी और शॉर्ट कवरिंग होनी बाकी है, इसलिए बैंकिंग और फाइनेंशियल शेयरों की अगुवाई में बड़े शेयरों में आगे और रिकवरी की उम्मीद है। हालांकि विजयकुमार ने चेतावनी भी दी है कि जैसे ही बाजार ऊपर जाएगा, घरेलू निवेशक मुनाफावसूली के लिए शेयर बेच सकते हैं। इससे



ऊपरी स्तरों पर बिकवाली आ सकती है। बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स के शेयर आज एक्सचेंज पर लिस्ट हुए। कंपनी का शेयर अपने 82 के इश्यू प्राइस के मुकाबले करीब 12 प्रतिशत प्रीमियम के साथ हस्श्व पर 92.02 और बीएसएफ पर 91 पर लिस्ट हुआ। इस लिस्टिंग के बाद कंपनी की मार्केट वैल्यू लगभग 578.11 करोड़ तक पहुंच गई है।

एशियन पैरा गेम्स-पीएम मोदी की पदक विजेताओं से मुलाकात, पैरा खिलाड़ियों से बोले-

मेडल के साथ दिल भी जीता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज पैरा एशियन गेम्स के पदक विजेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। यह कार्यक्रम नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित हो रहा है। भारत ने पैरा एशियन गेम्स में अपने इतिहास का सर्वश्रेष्ठ करते हुए 114 पदक जीते थे। यह कार्यक्रम नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित हो रहा है। पीएम के साथ केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया भी कार्यक्रम में मौजूद हैं।



मेडल के साथ देशवासियों का दिल भी जीत

पीएम मोदी ने कार्यक्रम के दौरान पैरा एथलीटों को संबोधित किया। पीएम ने कहा, मुझे आप सभी से मिलने का काफी इंतजार कर रहा था। कुछ दिनों पहले मैंने एशियन गेम्स में हिस्सा लेने वाले एथलीटों से मुलाकात की थी और अब मैं आप जैसे ऊर्जावान एथलीटों से मिल रहा हूं। इतने बड़े प्लेटफॉर्म पर आप लोगों ने मेडल तो जीता ही है, लेकिन साथ ही करोड़ों देशवासियों का दिल भी जीता है। आप लोगों ने फिर दिखा दिया है कि सबसे ऊंची उड़ान हौसलों से होती है। मैं आप सभी खिलाड़ियों को 140 करोड़ देशवासियों की तरफ से बहुत-बहुत बधाई देता हूं। पीएम ने कहा, एक समय ऐसा था कि कुछ खेल में भागीदारी सिर्फ औपचारिकता होती थी। पैरा एशियन गेम्स में 2010 में भारत ने 14 पदक जीते थे.

युवाओं की भागीदारी आज के भारत की तस्वीर

मोदी ने कहा, ऐसा लग रहा था कि आप लोगों ने तय कर लिया था कि जब तक पैरा एशियन गेम्स चल रहे हैं, मेडल जीतते रहना है। इस बार कई ऐसी स्पर्धाओं में पदक आए हैं जिसमें पहली बार मेडल मिला है। मोना अग्रवाल ने पैरा निशानेबाजी में रिकॉर्ड बनाया। जिन खेलों में पहले भागीदारी औपचारिकता होती थी, अब उनमें दबदबा बन रहा है। कई ऐसे खेल है जिसमें नए-नए युवा खिलाड़ी सामने आ रहे हैं और नए चैंपियन मिल रहे हैं। इस बार 61 खिलाड़ी पैरा एशियन गेम्स में पहली बार खेले और पदक जीता। संदीप ने तो डेब्यू में ही विश्व रिकॉर्ड बनाया। युवाओं की भागीदारी आज के भारत की तस्वीर और भविष्य के भारत का उद्घोष भी है। पीएम ने कहा, ये खेल ही है जो युवाओं को हार कर जीतना सिखाते हैं।

सीएम ने सुनाया सांप-नेवले की लड़ाई का किस्सा-बोले-

कांग्रेस मंजन बेचने वाले की तरह आदिवासियों को बेवाकूफ बनाती है

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस पर आदिवासी, अनुसूचित जाति और अल्पसंख्यक वर्ग को झूठे वादों से बहलाने का आरोप लगाया। सीएम हाउस में 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस की तैयारियों को लेकर हुई जनजातीय जनप्रतिनिधियों की बैठक में उन्होंने सांप-नेवले की लड़ाई का किस्सा सुनाते हुए कांग्रेस पर तंज कसा। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक व्यक्ति सांप-नेवले की लड़ाई दिखाने के नाम पर लोगों को इकट्ठा करता था, लेकिन लड़ाई कराने के बजाय मंजन बेचकर चला जाता था। कांग्रेस भी इसी तरह रोज लोगों को बेवकूफ बनाती है।



स्कूल के बाहर 150 लोग जुटे

मुख्यमंत्री ने अपने स्कूल के दिनों का किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया कि बुधवारे हाट में एक व्यक्ति डमरू बजाकर सांप-नेवले की लड़ाई दिखाने का दावा करता था। उसकी बात सुनकर करीब 150 लोग जमा हो गए। लेकिन वह लड़ाई कराने के बजाय सांप-नेवले के दांतों की मजबूती बताने लगा और अच्छे दांतों के लिए मंजन बेचने लगा। लोग मंजन खरीदकर चले गए, लेकिन लड़ाई नहीं हुई। मुख्यमंत्री ने बताया कि जब उन्होंने उस व्यक्ति से पूछा कि सांप-नेवले को कब लड़ाएगा, तो उसने कहा- तुम अभी समझते नहीं हो, मेरे को तो कल फिर मंजन बेचना है। मैं तो रोज ही ऐसा बोलता हूं, इसको थोड़ी लड़ाता हूं। ये मेरे रोज की दुनिया है।

तीन दिन होंगे आयोजन

मुख्यमंत्री ने बताया कि बिरसा मुंडा जयंती और जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर 14, 15 और 16 नवंबर को प्रदेश में तीन दिन आयोजन होंगे।14 नवंबर को जबलपुर, 15 नवंबर को धार और 16 नवंबर को खंडवा में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आयोजन इस तरह होंगे कि पूरा देश जनजातीय समाज के गौरव और योगदान को देख सके। रानी दुर्गावती की 300वीं जयंती पर जबलपुर में कैबिनेट बैठक की गई। राजा भभूत सिंह के नाम पर पचमढ़ी में कैबिनेट बैठक और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व का नामकरण किया गया।

कांग्रेस केवल बोलती है, आदिवासी अंचल का भला नहीं करती

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस किस्से का मतलब उन्हें आज कांग्रेस को देखकर समझ आया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस न राष्ट्रपति बनाती है, न भारत सरकार में मंत्री बनाती है और न ही आदिवासी अंचल का भला करती है। वह केवल बोलती है और लोगों को झूठे वादों में उलझाए रखती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय क्षेत्रों में पक्के मकान, सड़क, बिजली, पानी और शिक्षा जैसी सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। पीएम जनमन योजना के जरिए विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के गांवों में विकास कार्य किए जा रहे हैं। गरीबों को पक्का मकान, भोजन और बच्चों की पढ़ाई की सुविधा देना ही रामराज्य की अवधारणा है।

सुप्रीम कोर्ट बोला-

हिरासत के बाद 24 घंटे में पेशी जरूरी

देरी होने पर व्यक्ति को रिहा करना होगा; 5 सवाल और उनके जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को हिरासत के बाद कोर्ट में पेश करने की 24 घंटे की समय सीमा को साफ किया। कोर्ट ने कहा कि किसी व्यक्ति को मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने की 24 घंटे की समयसीमा उसे हिरासत में लेते ही शुरू हो जाएगी। यह समय औपचारिक गिरफ्तारी दर्ज होने के समय से नहीं गिना जाएगा सुप्रीम कोर्ट ने कहा- जांच एजेंसियां किसी व्यक्ति को पहले हिरासत में लेकर बाद में उसकी गिरफ्तारी दर्ज करने का रास्ता नहीं अपना सकतीं। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला गिरफ्तार त्रिपुरा के चार लोगों की याचिका से जुड़ा है। इनका आरोप है कि हिरासत में लेने और गिरफ्तारी दर्ज करने के बीच करीब 21 घंटे का अंतर था। मामले की सुनवाई जस्टिस उज्जवल भुइयां और जस्टिस अतुल एस. चंद्रकुर की बेंच में हुई।



त्रिपुरा हाईकोर्ट ने आरोपियों की याचिका खारिज की थी

मामला त्रिपुरा में 11.03 किलो याबा टैबलेट की जब्ती से जुड़ा था। 29 सितंबर 2025 को दोपहर 2 बजे तलाशी और जब्ती की कार्रवाई के दौरान चारों लोगों को हिरासत में लिया गया.

मप्र से निर्विरोध उच्च सदन पहुंचे हरदीप पुरी

कांग्रेस के 100 से ज्यादा कमियों के दावे खारिज; कटारे बोले- फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट जाएंगे

भोपाल। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी मध्य प्रदेश से राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। गुरुवार को नाम वापसी की समयसीमा खत्म होने के बाद उनके मुकाबले कोई दूसरा उम्मीदवार मैदान में नहीं बचा। दरअसल, उपचुनाव में नामांकन दाखिल करने वाले दो अन्य उम्मीदवारों के पर्चे जांच के दौरान खारिज कर दिए गए थे। इसके बाद पुरी अकेले उम्मीदवार रह गए। मध्य प्रदेश विधानसभा में रिटर्निंग ऑफिसर उमेश कुमार शर्मा ने उन्हें निर्वाचन प्रमाणपत्र जारी किया। इस मौके पर भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और विधायक मौजूद रहे।

हरदीप सिंह पुरी निर्विरोध राज्यसभा चुने गए

मध्य प्रदेश में राज्यसभा की खाली हुई सीट पर उपचुनाव कराया जा रहा था। हरदीप सिंह पुरी के अलावा राजकुमार लोहानी और कांते सयन्ना ने भी नामांकन दाखिल किया था। हालांकि, जांच के दौरान दोनों के नामांकन पत्र खारिज कर दिए गए। इसके बाद पुरी ही चुनाव मैदान में अकेले उम्मीदवार रह गए। पांच नवंबर को दोपहर तीन बजे तक नाम वापस लेने की समयसीमा थी। इस समय तक किसी दूसरे उम्मीदवार के मैदान में नहीं रहने के कारण पुरी निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिए गए। यानी इस सीट पर मतदान कराने की जरूरत नहीं पडी।



दो उम्मीदवारों के नामांकन खारिज

रिटर्निंग ऑफिसर के आदेश के मुताबिक, कांते सयन्ना का नामांकन जरूरी प्रस्तावकों के हस्ताक्षर नहीं होने के कारण खारिज हुआ। नियम के अनुसार उनके नामांकन के लिए विधानसभा के कम से कम 10 निर्वाचित सदस्यों या कुल निर्वाचित सदस्यों के 10 प्रतिशत के हस्ताक्षर जरूरी थे। इनमें जो संख्या कम हो, उतने सदस्यों के हस्ताक्षर होने चाहिए थे। वहीं, राजकुमार लोहानी का नामांकन जरूरी फॉर्म-26 का शपथपत्र समय पर जमा नहीं करने के कारण खारिज हुआ। उन्हें दो नवंबर को दोपहर तीन बजे तक यह दस्तावेज जमा करना था, लेकिन तय समयसीमा पूरी हो गई।

शपथपत्र में इन बातों पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

कांग्रेस ने पुरी के शपथपत्र और नामांकन दस्तावेजों में 100 से ज्यादा कमियां होने का दावा किया था। जांच के दौरान कांग्रेस विधायक हेमंत कटारे और निर्दलीय प्रत्याशियों ने प्रमुख रूप से तीन आपत्तियां दर्ज कराई थीं। इनमें शपथपत्र में पत्नी के नाम का जिक्र नहीं होने, विदेशी संपत्तियों का विवरण अमेरिकी डॉलर और स्विस फ्रैंक में देने तथा जेनेवा स्थित संपत्ति और विदेशी बैंक खातों की जानकारी शामिल थी। नोटरी सत्यापन और शपथपत्र प्रमाणित करने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए गए थे। रिटर्निंग ऑफिसर उमेश कुमार शर्मा ने पुरी को पक्ष रखने का अवसर दिया।

12 महीने तक सैलरी देंगी कंपनी

गूगल का बड़ा फैसला: कर्मचारियों को नौकरी छोड़ने का ऑफर

नई दिल्ली, एजेंसी

माइक्रोसॉफ्ट के बाद अब गूगल ने भी अपने कर्मचारियों की संख्या और खर्च को नियंत्रित करने की दिशा में कदम उठाया है। गूगल की मूल कंपनी अल्फाबेट ने इस साल कई देशों में अपने कुछ कर्मचारियों को स्वेच्छा से नौकरी छोड़ने का विकल्प दिया है। इसके तहत नौकरी छोड़ने वाले कर्मचारियों को कंपनी की ओर से आर्थिक मुआवजा दिया जाएगा। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, गूगल ने जून में कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, जापान और स्विट्जरलैंड में कुछ कर्मचारियों के लिए यह योजना शुरू की थी। कंपनी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि 2025 में उसकी कुछ टीमों ने मुआवजे के साथ स्वैच्छिक नौकरी छोड़ने की योजना शुरू की थी। इस साल जून में इसे कुछ और देशों तक बढ़ाया गया। कंपनी के प्रवक्ता के अनुसार, इस योजना का उद्देश्य भविष्य के महत्वपूर्ण कामों के लिए संसाधनों को बेहतर तरीके से व्यवस्थित करना है। हालांकि, अब तक यह जानकारी सामने नहीं आई है कि कितने कर्मचारियों ने इस ऑफर को स्वीकार किया है।



खर्च घटाने की तैयारी

गूगल का यह कदम ऐसे समय में आया है, जब दुनिया की बड़ी टेक कंपनियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में तेजी से निवेश कर रही हैं। इस तकनीक को विकसित करने और इससे जुड़ा बुनियादी ढांचा तैयार करने में कंपनियों को भारी खर्च करना पड़ रहा है।

गृहमंत्री अमित शाह ने अंबाला में 600 करोड़ के म्यूजियम का लोकार्पण के बाद कहा-

विज को लोग सालों-साल याद रखेंगे, राहुल अराजकता फैला रहे

अंबाला,करनाल। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अंबाला में 600 करोड़ रुपए की लागत से बने 1857 की क्रांति के शहीद स्मारक का लोकार्पण किया। इसके बाद उन्होंने गांधी मैदान में रैली को संबोधित किया। अंबाला की रैली में उनका पूरा फोकस हरियाणा की विकास योजनाओं के बारे में रहा। यहां उन्होंने सीएम सैनी की तारीफ करते हुए कहा- हरियाणा की सरकार अपने सारे वादे पूरे कर रही है। अपने भाषण में उन्होंने कई बार मेरा हरियाणा कहकर संबोधित किया। उन्होंने कहा,पर 24 फसलें खरीदने वाला देश का पहला राज्य हरियाणा है। देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन चलाने वाला भी हरियाणा। उन्होंने म्यूजियम को लेकर मंत्री अनिल विज की भी तारीफ करते हुए कहा- इन्हें लोग सालों-साल याद रखेंगे। वहीं, सीएम ने अपने संबोधन में शाह को लौहपुरुष कहा। नशा मुक्त हरियाणा के लिए लोगों ने कमर कस ली है। नरेंद्र मोदी ने हरियाणा को प्रायोरिटी दी है, क्योंकि जिस वक्त संगठन सचिव थे तब वो हरियाणा के प्रभारी थे।

सर्वोच्च न्यायालय की महत्वपूर्ण टिप्पणी

दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव से रोकना गलत

■ **न्यायालय ने कहा- कानून पर विचार की जरूरत**

नई दिल्ली (एजेंसी)

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि दो से ज्यादा बच्चे वालों को दंडित करने से जुड़े कानून अब अपनी प्रासंगिकता खो चुके हैं। देश में तेजी से घटती प्रजनन दर को देखते हुए उन पर दोबारा विचार करने की जरूरत है। दो से ज्यादा बच्चे होने पर पंचायत का सदस्य होने के अयोग्य ठहराने वाले महाराष्ट्र के एक कानून पर सुनवाई के दौरान न्यायालय ने यह टिप्पणी की। न्यायालय ने सवाल उठाया कि जब कई राज्यों में प्रजनन दर घट रही है, तब आबादी नियंत्रित करने के लिए बनाई गई नीति को जारी रखने का क्या औचित्य है? सर्वोच्च न्यायालय के 2 जजों की बेंच ने मामले पर को 3 जजों की बेंच के पास भेजते हुए दोबारा विचार के लिए कहा है।

जस्टिस पी एस नरसिम्हा की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि आज की पीढ़ी में 3 बच्चे होना



दुर्लभ है। अब तो परिवार में एक ही बच्चा होता है। इस नीति का असर खत्म हो चुका है। इसे वापस लिया जाना चाहिए। चुनाव में विरोधी उम्मीदवार इस नीति का इस्तेमाल एक-दूसरे के खिलाफ हथियार की तरह करते हैं।

पिछले कुछ दशकों में जनसाख्यिकी में बदलाव हुए

न्यायालय ने कहा कि इन कानूनों का आधार बढ़ती हुई आबादी के प्रति चिंता थी, लेकिन अब पिछले कुछ दशकों में जनसांख्यिकी में बदलाव हुए हैं। साल 2003 में भारत की कुल प्रजनन दर 3 थी, जो अब घटकर 1.9 रह गई है। 2.1 की दर को रिप्लेसमेंट रेट कहा जाता है। 2 जजों की बेंच ने कहा है कि भारत की आबादी भले ही अभी कम नहीं हो रही है, लेकिन प्रजनन दर रिप्लेसमेंट रेट से नीचे जाने का असर आने वाले समय में दिखाई देगा।

यह है मामला?: मामला महाराष्ट्र की पूर्व सरपंच मंगला भीमराव इंगले की याचिका से जुड़ा है। उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट के उस फैसले को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी है, जिसमें दो से ज्यादा बच्चे होने के आधार पर उनकी अयोग्यता बरकरार रखी गई थी। महाराष्ट्र विलेज पंचायत एक्ट, 1959 की धारा 14(1) के तहत दो से ज्यादा बच्चे होने पर कोई व्यक्ति पंचायत सदस्य या सरपंच का चुनाव नहीं लड़ सकता और न ही इन पदों पर बना रह सकता है।

महाझटका ! ट्रंप की वैश्विक साख पर प्रहार !

ट्रंप का चुनावी किला ढहा !अमेरिकी मतदाताओं का ट्रंप को करारा जवाब ! -डेमोक्रेट्स की ऐतिहासिक वापसी क्या अब व्हाइटहाउस की मनमानी पर लगेगी लगाम ? भारत के लिए खुलेंगे व्यापार, टैरिफ और वीजा राहत के नए द्वार?

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के सबसे पुराने लोकतंत्र व विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था या यूँ कहें कि पूरे विश्वपर अनौपचारिक रूप से राज करने वाले अमेरिका के मध्यावधि चुनावों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की राजनीति में ऐतिहासिक मोड़ ला दिया है। अभी वर्तमान विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने प्रतिनिधि सभा और सीनेट,दोनों में बहुमत हासिल कर लिया है। हालांकि अमेरिका के इतिहास में यह कोई पहली बार नहीं हुआ है।पिछले 20 वर्षों में पांच मिडटर्म चुनाव हुए। इन सभी में राष्ट्रपति की पार्टी ने प्रतिनिधि सभा में सीटें गंवाईं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह परिणाम केवल विपक्ष की चुनावी सफ़लता नहीं, बल्कि महंगाई, जीवन- यापन की लागत, ईरान युद्ध और ट्रंप प्रशासन की नीतियों के प्रति मतदाताओं की नाराज़गी का संकेत भी है, ऐसा माना जा रहा है कि जिसका पहले से ही अंदेशा भी था? मीडिया के अनुसार, विपक्षी पार्टी डेमोक्रेट्स ने प्रतिनिधि सभा में बहुमत के लिए आवश्यक 218 सीटों का आंकड़ा पार कर लिया और सीनेट पर भी नियंत्रण हासिल किया।चुनावी गणित- कांग्रेस के दोनों सदनों में डेमोक्रेट्स की वापसी करीब करीब सुनिश्चित हो गई है प्रतिनिधि सभा 225 - डेमोक्रेट्स 137 रिपब्लिकन सीटें घोषित बहुमत- 218 / 435 सीनेट 51+, डेमोक्रेटिक गठबंधन बहुमत का आंकड़ा पार,बहुमत- 51/ 100,4 नवंबर को उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार,प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेट्स ने 225 और रिपब्लिकन ने 137 सीटें जीत ली थीं, बस मिनट में 54 सीटें प्राप्त कर ली थी,जबकि शेष सीटों पर मतगणना जारी थी।सीनेट में भी डेमोक्रेट्स नेरिपब्लिकन बहुमत समाप्त कर दिया। कई महत्वपूर्ण रिपब्लिकन सीटों पर डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों की जीत ने सत्ता का संतुलन बदल दिया। अंतिम प्रमाणित सीटों की संख्या राज्यवार मतगणना और प्रमाणन के बाद स्पष्ट होगी। अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदनों की तुलना भारत की



संसद से की जा सकती है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा भारत की लोकसभा के समान जनता का प्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व करती है। इसकी सभी 435 सीटों पर हर दो वर्ष में चुनाव होता है। अमेरिकी सीनेट भारत की राज्यसभा की तरह एक उच्च सदन है, लेकिन दोनों में महत्वपूर्ण अंतर हैं। अमेरिकी सीनेट में 100 सदस्य होते हैं, प्रत्येक राज्य से दो,और उनका कार्यकाल छह वर्ष होता है।भारत में राज्यसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 250 है, वर्तमान संवैधानिक सीमा के अंतर्गत 245 सदस्य हो सकते हैं, जिनमें 12 राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत होते हैं।

धनतेरस: धन की पूजा नहीं, धन के शुद्ध संस्कारों का पर्व



▪ ललित गर्ग

पंच पर्वों से जुड़े दीपावली महापर्व का दूसरा महत्वपूर्ण पर्व है धनतेरस। धनतेरस के दिन भगवान धनवंतरी और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है और इस दिन खरीदारी और दान-पुण्य करना भी शुभ माना जाता है। इस दिन को धन त्रयोदशी और धन्वंतरि जयंती के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस केवल दीपावली के आरंभ का पर्व नहीं, बल्कि धन के प्रति हमारी दृष्टि को परखने का अवसर है।

यह वह दिन है जब भारतीय संस्कृति धन की पूजा के साथ मनुष्य को यह स्मरण कराती है कि धन साधन है, साध्य नहीं, समृद्धि जीवन का अलंकार है, जीवन का आधार नहीं। दुर्भाग्य यह है कि आधुनिक समय में धन की परिभाषा इतनी संकुचित हो गई है कि धन का अर्थ संवेदना, सदाचार और संतोष से नहीं, बल्कि संग्रह, सुविधा, प्रतिष्ठा और शक्ति से जोड़ा जाने लगा है। आज दुनिया में आर्थिक समृद्धि बढ़ी है, लेकिन क्या उसी अनुपात में मनुष्य समृद्ध हुआ है? चंद हाथों में सिमटती संपदा और बढ़ती आर्थिक विषमता ने समाज में एक विचित्र असुरक्षा पैदा की है। भौतिक सुविधाएं बढ़ी हैं, पर विश्वास घटा है। साधन बढ़े हैं, लेकिन साधना कमजोर हुई है। घर बड़े हुए, मगर हृदय छोटे होते गए। परिणामतः हिंसा, छल, भ्रष्टाचार, चोरी, शोषण, दुराचार और असीम संग्रह जैसी प्रवृत्तियां केवल समाज में नहीं, हमारे भीतर भी जगह बनाने लगी हैं। चेहरों की पहचान बची है, लेकिन चरित्र की पहचान धुंधली पड़ रही है।

धनतेरस का वास्तविक संदेश इसी विसंगति को दूर करने में छिपा है। धन का विरोध भारतीय चिंतन कभी नहीं करता, वह धन के अंधे संग्रह और उसके अनुचित उपयोग का विरोध करता है। सनातन दृष्टि में लक्ष्मी तभी मंगलकारी है, जब वह धर्म और लोकमंगल से जुड़ी हो। भगवान महावीर का अपरिग्रह हमें बताते हैं कि आवश्यकता से अधिक संग्रह अंततः मनुष्य को वस्तुओं का स्वामी नहीं, वस्तुओं का दास बना देता है। जैन दर्शन का संयम और अल्पीकरण केवल साधु जीवन की साधना नहीं, बल्कि गृहस्थ जीवन के लिए भी एक महत्वपूर्ण जीवन-दृष्टि है। महात्मा गांधी ने धन के इसी प्रश्न को ट्रस्टीशिप के सिद्धांत से जोड़ा। उनके लिए संपत्ति का अधिकार केवल निजी उपभोग का अधिकार नहीं था, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व भी था। धन हमारे पास हो सकता है, लेकिन उसका अंतिम अर्थ तभी है जब उससे किसी और के जीवन में आशा, सम्मान और अवसर पैदा हों। इसलिए प्रश्न यह नहीं कि हमारे पास कितना धन है, प्रश्न यह है कि हमारे धन का हमारे चरित्र पर कितना अधिकार है और हमारे धन से समाज को कितना अधिकार मिलता है। धनतेरस धन की कामना का पर्व है। इस दृष्टि से यह अर्थव्यवस्था का पर्व है। अर्थ से अर्थ-व्यवस्था का सम्यक् एवं गुणात्मक संधान। इस दिन घर एवं बाजारों में आशा के दीप सजते हैं, मुद्रा का आदान-प्रदान होता है। मान्यता है कि इस दिन खरीदी गई चीजों में कई गुना वृद्धि हो जाती है। शास्त्रों में बताया गया है



कि इस दिन कुछ उपाय करने से घर में धन-धान्य के भंडार भर जाते हैं और मां लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है। तम मिटाती धनतेरस और प्रकाश बांटती लक्ष्मी यानी भारतीय पद्धति के अनुसार प्रत्येक आराधना, उपासना व अर्चना में आधिभौतिक, आध्यात्मिक और आधिदैविक इन तीनों रूपों का समन्वित व्यवहार होता है। इस तरह इस उत्सव में उपरोक्त तीनों प्रकार से लक्ष्मी की उपासना यानी धन एवं सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जनक धन्वंतरि देव समुद्र मंथन से प्रकट हुए थे और प्रकट होते समय उनके हाथ में अमृत से भरा कलश था। यही कारण है कि इस दिन बर्तन खरीदे जाते हैं।

हिन्दू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, धन संपदा की देवी मां लक्ष्मी धनतेरस के दिन ही समुद्र मंथन के दौरान प्रकट हुईं थीं इसीलिए ऐसा माना जाता है कि इस दिन सोना-चांदी घर लाने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती है, घर में सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली आती है और अच्छा भाग्य भी घर लाते हैं। सोना खरीदने से बुरी शक्तियां और नकारात्मक ऊर्जा घर से दूर होती है। कई परिवार इस दिन सोना-चांदी खरीदकर अपनी सैकड़ों साल पुरानी परंपरा का पालन करते हुए इस दिन दिव्यता एवं धन की देवी लक्ष्मी देवी की पूजा करते हैं।

लक्ष्मीजी का स्वरूप त्रिगुणात्मक है। उनका वास तन, मन और धन तीनों में है। पांच प्रकार के सुख कहे गये हैं- तन, मन, धन, पत्नी और संतान। देवी भगवती कमला यानी लक्ष्मीजी के आठ रूप कहे गये हैं। आद्य लक्ष्मी या महालक्ष्मी (कन्या), धन लक्ष्मी (धन, वैभव, निवेश, अर्थव्यवस्था), धान्य लक्ष्मी (अन्न), गजलक्ष्मी (पशु व प्राकृतिक धन), सनातना लक्ष्मी (सौभाग्य, स्वास्थ्य, आयु व समृद्धि), वीरा लक्ष्मी (वीरोचित लक्ष्मी अर्थात रक्षा, सुरक्षा), विजया लक्ष्मी (दिगदिगंत विजय), विद्या लक्ष्मी (विद्या, ज्ञान, कला विज्ञान), इन आठों स्वरूपों को मिलाकर महालक्ष्मी का पर्व बना दिवाली। दिवाली अर्थात दीप पर्व। जहां इन आठों स्वरूपों का प्रकाश हो, वहां दिवाली निश्चित रूप से होती है। प्रकाश, पुष्टि, प्रगति की प्रार्थना के साथ। दूसरे अर्थ में समझिए। लक्ष्मीजी का वास एक लघु इकाई में है। एक माटी के दीपक में है। उसके प्रकाश में है। एक फकीर की भी दिवाली है तो एक अमीर की भी। एक कुम्हार की भी दिवाली है, तो एक सर्राफ की भी। यही लक्ष्मी है। मन की लक्ष्मी। सबकी लक्ष्मी। इसका आशय यह है कि तन, मन, धन, परिवार और संतान की पुष्टि एक दीप की तरह प्रकाशवान रहें। धनवर्षा के साथ, अमृतवर्षा के साथ। आज आवश्यकता धन कमाने की नहीं, धन कमाने की शुद्ध पद्धति और उसके शुद्ध उपयोग की है। यदि साध्य समृद्धि है तो साधन भी शुद्ध होने चाहिए। बेईमानी, शोषण, छल और भ्रष्टाचार से अर्जित धन चाहे कितनी भी बड़ी संपत्ति क्यों न बना दे, वह जीवन में शांति और समाज में सम्मान नहीं ला सकता। इसके विपरीत परिश्रम, ईमानदारी और नैतिकता से अर्जित सीमित धन भी जीवन को गरिमा प्रदान करता है। धनतेरस हमें संग्रह के साथ विसर्जन की चेतना देता है। जिस धन का प्रवाह समाज तक नहीं पहुँचता, वह अंततः जड़ हो जाता है। दान, सेवा, शिक्षा, चिकित्सा, जरूरतमंदों की सहायता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्थान में धन का उपयोग उसकी सार्थकता बढ़ाता है। दीपक की तरह धन भी तभी प्रकाश देता है, जब वह स्वयं जलकर दूसरों के जीवन में उजाला फैलाए।

धन्वंतरि की दिव्य विरासत और यमदीप की प्राचीन परंपरा

प्रतिवर्ष दीपावली से दो दिन पूर्व कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को धनतेरस का पर्व श्रद्धा, उल्लास और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष यह पर्व 6 नवंबर को मनाया जा रहा है। भारतीय संस्कृति में धनतेरस का विशेष धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। इसे केवल धन और वैभव की प्राप्ति का पर्व मानना उचित नहीं होगा बल्कि यह आरोग्य, दीर्घायु, सुख-समृद्धि और स्वस्थ जीवन के प्रति आभार व्यक्त करने का भी अवसर है। इस दिन विशेष रूप से भगवान धन्वंतरि, माता लक्ष्मी और धन के देवता कुबेर की पूजा-अर्चना की जाती है। धनतेरस का इतिहास अत्यंत प्राचीन माना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर समुद्र से प्रकट हुए थे। उन्हें भगवान विष्णु का अंशावतार तथा आयुर्वेद का प्रवर्तक माना जाता है। मान्यता है कि उनके हाथों में अमृत से भरा कलश था, जो जीवन, स्वास्थ्य और अमरत्व का प्रतीक है। इसी कारण उन्हें देवताओं का वैद्य और आरोग्य का देवता कहा जाता है। समुद्र मंथन से प्राप्त अमृत के माध्यम से देवताओं को अमरत्व प्राप्त हुआ था। भगवान धन्वंतरि के इसी दिव्य प्राकट्य की स्मृति में धनतेरस मनाने की परंपरा प्रचलित हुई। भगवान धन्वंतरि का संबंध केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है बल्कि उनका आयुर्वेद और भारतीय चिकित्सा परंपरा में भी विशेष स्थान है। आयुर्वेद को जीवन का विज्ञान माना गया है, जिसका उद्देश्य केवल रोगों का उपचार करना नहीं बल्कि शरीर और मन को स्वस्थ रखते हुए दीर्घ एवं संतुलित जीवन प्रदान करना है। यही कारण है कि धनतेरस का दिन चिकित्सकों, वैद्यों और चिकित्सा जगत से जुड़े लोगों के लिए भी विशेष महत्व रखता है। इस दिन भगवान धन्वंतरि की पूजा कर लोग परिवार के आरोग्य, निरोगी काया और दीर्घायु की कामना करते हैं। धनतेरस हमें यह संदेश भी देता है कि वास्तविक धन केवल सोना, चांदी और संपत्ति नहीं बल्कि अच्छा स्वास्थ्य, मानसिक शांति और संतोषपूर्ण जीवन है। इसलिए इस पर्व का मूल भाव धन के साथ आरोग्य और समृद्धि की मंगलकामना करना है।



धनतेरस के पर्व पर भगवान धन्वंतरि और माता लक्ष्मी की पूजा के साथ मृत्यु के देवता यमराज के पूजन तथा दीपदान का भी विशेष विधान है। इस दिन संध्याकाल में घर के मुख्य द्वार पर दक्षिण दिशा की ओर यमराज के निमित्त एक दीपक जलाया जाता है, जिसे 'यम दीपक' अथवा 'यमदीपदान' कहा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि ऐसा करने से परिवार के सदस्यों को अकाल मृत्यु के भय से मुक्ति मिलती है और घर में सुख-समृद्धि तथा मंगल बना रहता है। इस परंपरा के पीछे एक अत्यंत रोचक और भावुक पौराणिक कथा प्रचलित है। कथा के अनुसार, एक बार यमराज ने अपने दूतों से पूछा कि प्राणियों के प्राण हरते समय क्या कभी ऐसा अवसर भी आया, जब किसी व्यक्ति के प्रति तुम्हारे मन में दया उत्पन्न हुई हो और तुम्हारा हृदय करुणा से भर उठा हो? यमराज का प्रश्न सुनकर यमदूतों ने उत्तर दिया कि वे तो केवल उनकी आज्ञा का पालन करने वाले सेवक हैं। उनका कार्य निर्धारित समय पर जीवों के प्राण लेना है, इसलिए दया और मोह-माया का उनके कार्य में कोई स्थान नहीं है। हालांकि, यमराज द्वारा निर्भय होकर सच बताने का आश्वासन दिए जाने पर उन्होंने एक ऐसी घटना का उल्लेख किया, जिसने उन्हें भी भीतर तक विचलित कर दिया था।

योगेश कुमार गोयल

यमदूतों ने बताया कि एक बार हंस नाम का राजा शिकार के लिए जंगल में गया था। शिकार करते समय वह अपने साथियों से बिछुड़कर दूसरे राज्य की सीमा में पहुंच गया। उस राज्य के राजा हेमा ने अतिथि धर्म का पालन करते हुए उसका खूब आदर-सत्कार किया। संयोगवश उसी दिन राजा हेमा की पत्नी ने एक अत्यंत सुंदर पुत्र को जन्म दिया। राजपरिवार में खुशियां छा गई लेकिन ज्योतिषियों ने नवजात राजकुमार की कुंडली देखकर भविष्यवाणी की कि विवाह के ठीक चार दिन बाद उसकी मृत्यु हो जाएगी। यह सुनकर राजा और रानी शोकाकुल हो उठे। उन्होंने अपने पुत्र को इस अनिष्ट से बचाने के लिए उसे यमुना नदी के किनारे एक निर्जन गुफा में रखवा दिया। वहां उसके पालन-पोषण की राजसी व्यवस्था की गई और विशेष सावधानी बरती गई कि उस पर किसी युवती की छाया तक न पड़े। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। एक दिन संयोगवश राजा हंस की पुत्री घूमते-घूमते यमुना तट पर पहुंच गई। वहां उसकी दृष्टि राजकुमार पर पड़ी और दोनों एक-दूसरे को देखते ही मोहित हो गए। उनके बीच प्रेम उत्पन्न हुआ और उन्होंने उसी समय गंधर्व विवाह कर लिया। दुर्भाग्यवश, ज्योतिषियों की भविष्यवाणी के अनुसार विवाह के चार दिन बाद ही राजकुमार की मृत्यु हो गई। यमदूतों ने यमराज को बताया कि उन्होंने अपने जीवन में उस नवविवाहित जोड़े जैसा सुंदर और प्रेमपूर्ण युगल कभी नहीं देखा था। दोनों कामदेव और रति के समान प्रतीत होते थे। राजकुमार के प्राण हरने के बाद जब उसकी नवविवाहिता पत्नी ने विलाप करना शुरू किया तो उसका करुण क्रंदन सुनकर यमदूतों का हृदय भी द्रवित हो उठा। यह पूरा वृत्तांत सुनने के बाद यमराज ने कहा कि कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को भगवान धन्वंतरि के पूजन के साथ उनके निमित्त दीपदान करने से अकाल मृत्यु के भय से रक्षा होती है। तभी से धनतेरस पर यमदीपदान की परंपरा प्रचलित होने की मान्यता है। इसी विश्वास के चलते लोग संध्याकाल में घर के बाहर दक्षिण दिशा की ओर दीपक जलाकर यमराज से परिवार के सभी सदस्यों की लंबी आयु और आरोग्य की प्रार्थना करते हैं।

धनतेरस पर खरीदारी की भी विशेष परंपरा है। इस दिन पुराने और टूटे-फूटे बर्तनों के स्थान पर नए बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है।

प्रदूषण पर राजनीति का धुआं और जनता की घुटती सांसें

त्योहार खुशियां बांटने के लिए होते हैं, सांसों में जहर घोलने के लिए नहीं। दीपावली प्रकाश, प्रसन्नता, उल्लास और मंगलकामना का पर्व है, लेकिन यदि उत्सव की चमक के पीछे आसमान धुएं से भर जाए, बच्चों और बुजुर्गों का दम घुटने लगे तथा आम आदमी स्वच्छ हवा के लिए तरसने लगे तो हमें अपनी उत्सव परंपराओं और सामाजिक जिम्मेदारियों पर गंभीरता से विचार करना होगा। विडंबना यह है कि आज प्रदूषण जैसी जीवन-मरण की समस्या पर भी राजनीति का धुआं छाने लगा है। जब लोगों की सांसें संकट में हों, तब धर्म, जाति और राजनीतिक विचारधाराओं के चश्मे से समस्या को देखना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता का प्रमाण भी है। अभिनेत्री और पर्यावरण कार्यकर्ता दीया मिर्जा ने पटाखों से होने वाले वायु एवं ध्वनि प्रदूषण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने अपने पर्यावरण अनुकूल दीपावली अभियान में उनका वीडियो जारी किया, लेकिन राजनीतिक विवाद के बाद उसे हटा दिया गया। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि प्रदूषण के खिलाफ आवाज उठाना आखिर विवाद का विषय कैसे बन गया? किसी कलाकार का पर्यावरण संरक्षण के पक्ष में बोलना किसी धर्म या त्योहार का विरोध कैसे हो सकता है? मुंबई उच्च न्यायालय द्वारा वीडियो दोबारा जारी करने का निर्देश इस बात का संदेश है कि जनहित की आवाज को राजनीतिक दबाव के आगे दबाया नहीं जाना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण किसी व्यक्ति, दल या धर्म की जागीर नहीं, बल्कि समूचे समाज की साझा जिम्मेदारी है। मुंबई का उदाहरण इस समस्या की गंभीरता को और उजागर करता है। सामान्यतः समुद्र की हवाओं और भौगोलिक स्थिति के कारण मुंबई को दिल्ली की तुलना में अपेक्षाकृत बेहतर वायु संचार का लाभ मिलता है, लेकिन अब वहां भी प्रदूषण का संकट गहराने लगा है। बीएमसी की पर्यावरण स्थिति रिपोर्ट 2025-26 के अनुसार, मुंबई के 14 वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों में से 13 पर पीएम-10 का वार्षिक औसत स्तर राष्ट्रीय निर्धारित सीमा 60 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर से अधिक पाया गया। चेंबूर और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में यह स्तर 125 माइक्रोग्राम तक पहुंच गया। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि महानगरीय विकास की उस दिशा पर प्रश्नचिह्न है जिसमें इमारतें तो ऊंची होती जा रही हैं, लेकिन लोगों के हिस्से की स्वच्छ हवा छोटी होती जा रही है। यह समझना आवश्यक है कि मुंबई हो या दिल्ली, प्रदूषण का पूरा दोष केवल दीपावली के पटाखों पर डालकर हम अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते। निर्माण स्थलों से उड़ती धूल, सड़कों पर जमा मिट्टी, वाहनों का धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, कचरा जलाना और कमजोर शहरी नियोजन इसके बड़े कारण हैं। पटाखे प्रदूषण की समस्या को त्योहारों के दौरान और गंभीर बनाते हैं, लेकिन प्रदूषण का स्रोत वर्षभर सक्रिय रहता है। इसलिए केवल दीपावली के आसपास प्रतिबंध लगाना और फिर शेष वर्ष आंखें मूंद लेना समस्या का समाधान नहीं, बल्कि मौसमी सक्रियता का प्रदर्शन है। मुंबई में 13 निगरानी केंद्रों का राष्ट्रीय मानक से ऊपर होना बताता है कि समुद्री हवाओं के भरोसे पर्यावरण की रक्षा नहीं की जा सकती। सर्दियों की शुरुआत होते ही तापमान में गिरावट, हवा की धीमी गति और वातावरण में प्रदूषकों के ठहराव से वायु गुणवत्ता तेजी से बिगड़ती है।

फीचर



प्रकाश फैलाएं घर में आयेगी लक्ष्मी

हिंदु धर्म के सबसे बड़े त्योहार दीपावली की तैयार शुरु हो गयी है। दिवाली के लिए यदि घर को तैयार कर रहे हैं तो हर कमरे में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करें।

कुछ आसान तरीकों से आप उस कमरे को भी जगमग कर सकते हैं जहां कम रौशनी होती है। इससे घर में लक्ष्मी भी आती है।

जिस कमरे में ज्यादा अंधेरा रहता है, जहां तक संभव हो सके, अंधेरे कमरे की दीवारों पर हल्के रंग का पेंट करवाएं। लाइट शेड वाले परदे, बेडशीट का इस्तेमाल करें चमक को और बढ़ाने के लिए कमरे में परदे, बेडशीट और कुशन आदि के कलर्स भी लाइट शेड के रखें।

मिरर फर्नीचर से अंधेरे कमरे में फैलेगी रोशनी

ऐसे कमरे के लिए मिरर फर्नीचर का इस्तेमाल करना चाहिए। इसका फायदा यह होगा कि इस पर जहां से भी लाइट आएगी, यह और भी अधिक चमकने लगता है और कमरे में रोशनी बढ़ती है।

रिफ्लेक्टिंग फ्लोरिंग है अच्छा विकल्प

अंधेरे वाले कमरे में रिफ्लेक्टिंग फ्लोरिंग भी अच्छा विकल्प है, जिससे कमरे में चमक बढ़ सकती है। इसमें आजकल एलईडी का भी इस्तेमाल होता है।

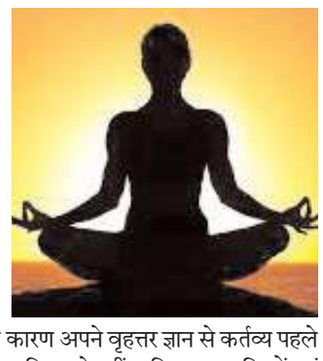
कमरें में लाइट्स का ऐसे करें इस्तेमाल

इसके बावजूद भी अगर कमरे में प्रकाश नहीं आता तो आप क्रत्रिम रोशनी का इस्तेमाल कर सकते हैं। कमरे में हैंगिंग लाइट्स का प्रयोग भी अंधेरे को दूर कर सकता है। इसके अलावा दीवारों पर लैम्प्स भी लगवाए जा सकते हैं। यदि संभव हो तो कमरे की सीलिंग में लाइटिंग की व्यवस्था कर सकते हैं। आजकल लाइटिंग वाला सीलिंग फैन भी काफी चलन में है।बहरहाल यह जान लें कि आपका घर जितना चमकेगा उतनी ही लक्ष्मी आपके घर आयेगी।

प्रेरणा

प्रार्थना की शक्ति का महत्व...

मनुष्य का जीवन उसकी शारीरिक एवं प्राणिक सत्ता में नहीं, अपितु उसकी मानसिक एवं आध्यात्मिक सत्ता में भी आकांक्षाओं तथा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए और कामनाओं का है। जब उसे ज्ञान होता है कि एक महत्तर शक्ति संसार को संचालित कर रही है, तब वह अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए, अपनी विषम यात्रा में सहायता के लिए, अपने संघर्ष में रक्षा के लिए आय प्राप्त करने के लिए प्रार्थना द्वारा उसकी शरण लेता है। प्रार्थना द्वारा भगवान की ओर साधारण धार्मिक पहुंच, अपने को ईश्वर की ओर मोड़ देने के लिए यह हमारी प्रार्थनारूपी विधि हमारी धार्मिक सत्ता का मौलिक प्रयत्न है, और एक सार्वभौम सत्य पर स्थित है- भले ही इसमें कितनी भी अपूर्णताएं हों और सचमुच अपूर्णताएं हैं भी। प्रार्थना के प्रभाव को प्राय? संदेह की दृष्टि से देखा जाता है और स्वयं प्रार्थना निरर्थक तथा निष्फल समझी जाती है। वैश्व संकल्प सदैव अपने लक्ष्य को ही कार्यान्वित करता है। वह सर्वज्ञ होने के कारण अपने वृहत्तर ज्ञान से कर्तव्य पहले ही जान लेता है, परंतु यह व्यवस्था यांत्रिक नियम से नहीं, बल्कि कुछ शक्तियों एवं बलों के द्वारा कार्यान्वित होती है। यह मानव संकल्प, अभीप्सा और श्रद्धा का एक विशेष रूप मात्र है। प्रारंभ में प्रार्थना निम्न स्तर भी हमारे सबंध को तैयार करने में सहायता पहुंचाती है। मुख्य वस्तु इस प्रकार का साक्षात संबंध, मनुष्य का ईश्वर से संपर्क, सचेतक आदान-प्रदान न कि पार्थिव वस्तु की प्राप्ति। अपनी मानसिक रचना के निर्माण के बाद यदि व्यक्ति अपने को ईश कृपा पर समर्पित कर देता है, और इसमें भरोसा रखता है, तो उसको अवश्य ही सफलता मिलेगी।



अपनी बात



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश निरंतर विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। किसान, महिला, युवा एवं गरीब सहित समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए राज्य सरकार संकल्पबद्ध है। किसानों की आय बढ़ाने और समृद्धि के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को पांढुर्णा में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।



अश्विनी वैष्णव ने कहा- कैबिनेट ने महत्वपूर्ण खनिजों की प्रोसेसिंग की योजना को मंजूरी दी है। इसका मकसद खदानों से निकाले गए या कच्चे खनिजों को इस तरह तैयार करना है कि उनका इस्तेमाल सीधे उत्पादन प्रक्रिया में किया जा सके। यह योजना पहचान किए गए सभी 24 महत्वपूर्ण खनिजों पर लागू होगी। इसमें खदानों से मिलने वाले खनिजों के साथ-साथ रीसाइक्लिंग से प्राप्त खनिज भी शामिल हैं।

चावड़ी बाजार में गिरी तीन मंजिला इमारत, आम आदमी पार्टी ने

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली के चावड़ी बाजार में तीन मंजिला निर्माणाधीन इमारत गिरने और मलबे में दबकर दो लोगों की मौत होने की घटना पर चिंता जताई है। उन्होंने इस हादसे के लिए दिल्ली सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया।

आप दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो जारी कर दिल्ली सरकार पर सवाल उठाया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और एमसीडी द्वारा दिल्ली की इमारतों के कई सुरक्षा ऑडिट कराए जाने के बावजूद हादसे क्यों हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सुरक्षा ऑडिट के नाम पर कई विभागों द्वारा बार-बार रिश्वत वसूली किए जाने के कारण हर महीने इमारतें ढह रही हैं।

आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि दिल्ली में सुरक्षा ऑडिट के नाम पर केवल अवैध वसूली हो रही है, जबकि अवैध निर्माण के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है।

एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने भी चावड़ी बाजार में तीन मंजिला निर्माणाधीन इमारत गिरने की घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि चावड़ी बाजार मेट्रो स्टेशन के सामने गली सितारा में इमारत का अचानक ढहना बेहद चिंताजनक और दुर्भाग्यपूर्ण है। मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका है।

अंकुश नारंग ने आरोप लगाया कि दिल्ली में आए दिन इमारतें गिर रही हैं और लोगों की जान खतरे में पड़ रही है, लेकिन दिल्ली सरकार और एमसीडी भ्रष्टाचार में व्यस्त हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि अवैध निर्माण और भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है। उन्होंने दिल्ली सरकार से हादसे की उच्चस्तरीय जांच कराने, राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने और दोषी अधिकारियों तथा जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता की जान से खिलवाड़ बंद होना चाहिए।

सौरव दास और आशुतोष रांका से पूछताछ, क्राइम ब्रांच ने बुलाया



नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता सौरव दास और आशुतोष रांका को 3 मामलों में पूछताछ के लिए तलब किया है। दोनों नेता गुरुवार को करीब 11:15 बजे राजौरी गार्डन स्थित अपराध शाखा के कार्यालय पहुंचे, जहां दोपहर 12 बजे से पूछताछ निर्धारित थी। पुलिस सरकारी आदेश की अवहेलना, बिना अनुमति जंतर-मंतर पहुंचने और दूसरे की संपत्ति में अनधिकृत प्रवेश से जुड़े मामलों की जांच कर रही है। इससे पहले अक्टूबर में भी दोनों नेताओं को पूछताछ के लिए समन भेजा गया था, लेकिन वे पेश नहीं हुए थे। बाद में उन्होंने पेश होने के लिए अतिरिक्त समय मांगा था।

दरअसल, 13 अक्टूबर को सौरव दास, आशुतोष रांका और अजिंक्य शिंदे सहित 14 लोग कथित तौर पर जंतर-मंतर में प्रवेश कर गए थे। पुलिस ने सभी को हिरासत में लिया था। इसके बाद विरोध-प्रदर्शन से जुड़े मामले अपराध शाखा को सौंप दिए गए। अजिंक्य शिंदे को शांति बनाए रखने के बंधपत्र पर रिहा कर दिया गया था, जबकि दास और रांका करीब एक सप्ताह तक न्यायिक हिरासत में रहे। दोनों को 21 अक्टूबर को 50-50 हजार रुपये के जमानत बंधपत्र पर रिहा किया गया था। उन्होंने विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट के समक्ष शांति बनाए रखने और जंतर-मंतर पर अनुमति मिलने तक प्रदर्शन का आह्वान नहीं करने का लिखित आश्वासन भी दिया था।

कैट ने दिवाली के बाद देश भर में धिक्कार दिवस मनाने की घोषणा की

नई दिल्ली। व्यापारिक संगठन कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को पत्र लिखा है। कैट ने बीते एक महीने से दिल्ली में राजनीतिक रैलियों, धरनों और प्रदर्शनों के कारण बार-बार बाधित हो रही व्यापारिक गतिविधियों पर देशभर के व्यापारियों की पीड़ा व्यक्त की है। कैट ने घोषणा की है कि वो राहुल गांधी के जवाब का इंतजार करेगा और दिवाली के बाद देशभर के व्यापारी नेता दिल्ली में एक राष्ट्रीय बैठक कर इस मुद्दे पर रणनीति तय करेंगे। कैट ने इस मुद्दे पर देशभर में "धिक्कार दिवस" मनाने की भी घोषणा की है। इसकी तारीख नई दिल्ली की बैठक में तय की जाएगी।

चावड़ी बाजार हादसाः सीएम रेखा गुप्ता ने जेई और एई को किया सस्पेंड

लापरवाह अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगाः रेखा गुप्ता

वेब वार्ता, नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के चावड़ी बाजार इलाके में एक तीन मंजिला निर्माणाधीन इमारत ढहने से दो लोगों की मौत हो गई। इस घटना के बाद राहत और बचाव कार्य जारी है। हादसे की सूचना के बाद सीएम रेखा गुप्ता भी मौके पर पहुंचीं। उनके साथ मंत्री आशीष सूद भी थे। केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा भी हादसे वाली जगह पर पहुंचे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि पुरानी दिल्ली के चावड़ी बाजार में निर्माणाधीन इमारत ढहने की दुखद घटना हुई है। अब तक दो शव बरामद किए गए हैं और एक घायल व्यक्ति को बचाया गया है।

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि यह इमारत ग्राउंड फ्लोर के अलावा दो मंजिला थी। आगे की जांच से पता चलेगा कि इमारत गिरने का असली कारण क्या था। इस बीच, नगर निगम ने संबंधित जूनियर इंजीनियर और असिस्टेंट इंजीनियर को सस्पेंड कर दिया है। निर्माण कार्य के लिए जिम्मेदार ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। रेस्क्यू ऑपरेशन युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि दिल्ली अग्निशमन सेवा, दिल्ली पुलिस, दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण,



एमसीडी, कैट्स और एनडीआरएफ की टीमों को तत्काल घटनास्थल पर तैनात किया गया।

मौके पर सीएम रेखा गुप्ता, कहा- कोई बख्शा नहीं जाएगा

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि मैं इस बात पर जोर देना चाहती हूं कि लोग अकसर अपने घर बनाते समय सुरक्षा उपायों को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे उनकी अपनी जान को जानलेवा खतरा हो सकता है। कोई भी निर्माण कार्य सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करते हुए किया जाना चाहिए। इसके साथ ही, जो भी अधिकारी ऐसी लापरवाही को अनदेखा करेगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। ठेकेदार, जो सीधे तौर पर इस प्रोजेक्ट की देखरेख कर रहा था, सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहा, इसलिए उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

वहीं मंत्री आशीष सूद ने कहा कि यहां जो भी जेई - एई थे उन्हें सस्पेंड कर दिया गया है. एक्जेक्यूटिव इंजीनियर को यहां से ट्रांसफर कर दिया गया है. अभी तक की मिली जानकारी के अनुसार, दो मृतक यहां से निकाले गए हैं और एक घायल को यहां से ट्रांसफर किया गया है। जिस प्रकार की यहां कंस्ट्रक्शन हो रही है, नगर निगम को यह आदेश दिए गए हैं कि इस प्रकार के कंस्ट्रक्शंस में जो भी वायलेशन करने वाले अधिकारी हैं, उनके ऊपर कड़ी कार्रवाई करते हुए संकरी गलियों में अवैध निर्माण को रोकने की कार्रवाई की जाए।

दिल्ली में जल्द बनेंगे 500 नए पुलिस बूथ

बेहतरीन काम के लिए 72 पुलिस अफसर और जवान हुए सम्मानित

वेब वार्ता, नई दिल्ली। पुलिसकर्मियों को अपनी सेवा संबंधी समस्याएं व शिकायतें वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष रखने, उनके कल्याण व कार्य परिस्थितियों पर चर्चा करने के लिए बृहस्पतिवार को मध्य जिला पुलिस द्वारा राजघाट स्थित गांधी स्मृति के सत्याग्रह मंडप में 'संपर्क सभा' का आयोजन किया गया।

इसके जरिये पुलिसकर्मियों को एक मंच प्रदान किया गया, जहां पुलिसकर्मियों ने अपनी समस्याएं रखीं। इस दौरान 45 दिनों के अंदर आठ प्रमुख मामलों में उत्कृष्ट व अनुकरणीय जांच के लिए 72 पुलिसकर्मियों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के बाद जवानों के बीच भाईचारे और एकजुटता को बढ़ावा देने के लिए 'बड़ा खाना' का भी आयोजन किया गया, जिसमें



लगभग 329 पुलिसकर्मियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विशेष आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) देवेश चंद्र श्रीवास्तव ने हाल के दिनों में कानून-व्यवस्था की बड़ी चुनौतियों और नियमित ड्यूटी को एक साथ संभालने के लिए मध्य जिला पुलिस की सराहना की। उन्होंने कहा कि किसी बड़े मौके पर सुरक्षा बल (सीएपीएफ) मुख्य रूप से बाहरी खतरों से निपटते हैं, लेकिन पुलिस के पास नागरिकों की शिकायतों को सुलझाने और शांति बनाए रखने की अतिरिक्त जिम्मेदारी होती है। सलिए हर शिकायत को बेहद संवेदनशीलता, ईमानदारी और पेशेवर तरीके से हल किया जाना चाहिए।

उन्होंने आधिकारिक प्रक्रियाओं को आसान बनाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली के इस्तेमाल पर जोर दिया। इसके अलावा, पारदर्शिता और सुरक्षा के लिए संवेदनशील इलाकों में बॉडी-वॉर्न कैमरे और थानों में लगे सीसीटीवी कैमरों के सही उपयोग की सलाह दी।

जनता के साथ संवाद और पुलिस की पहुंच को बेहतर बनाने के लिए उन्होंने पूरी दिल्ली में 500 नए पुलिस बूथ स्थापित करने की प्रस्तावित योजना की भी जानकारी दी।

घरेलू जिम्मेदारियों के साथ-साथ नई दिल्ली और मध्य जिले की कठिन कानून-व्यवस्था की स्थितियों में महिला पुलिसकर्मियों के समर्पण की उन्होंने विशेष सराहना की।

पुलिसकर्मियों के कल्याण के लिए निर्देश दिया कि हर थाने में वाटर कूलर, टेलीविजन, माइक्रोवेव ओवन जैसी जरूरी सुविधाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाएंगी।

सत्य निकेतन बिल्डिंग हादसा मामलाः

दिल्ली पुलिस ने 6 लोगों के खिलाफ पटियाला हाउस कोर्ट में दाखिल की चार्जशीट

वेब वार्ता, नई दिल्ली। दिल्ली के सत्य निकेतन में 6 सितंबर को हुए इमारत ढहने के हादसे में 7 लोगों की मौत के मामले में दिल्ली पुलिस ने पटियाला हाउस न्यायालय में आरोपपत्र दाखिल कर दिया है। पुलिस ने मामले में 6 लोगों को आरोपी बनाया है।

आरोपियों में हरि राम गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, महेश गुप्ता, सनोज कुमार, सुधांशु लवनीश कुमार और शुभम त्यागी शामिल हैं। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 105, 125(ए), 290, 115(2), 324(2), 324(4) और 3(5) के तहत आरोप लगाए हैं।

इनमें गैर-इरादतन हत्या, लापरवाही और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने जैसे अपराध शामिल हैं। इस मामले में दिल्ली नगर निगम ने उच्च न्यायालय को बताया था कि हादसे के बाद 543 संपत्तियों को गिराया और 178 को सील किया गया है।

इसके अलावा 354 पेइंग गेस्ट आवासों को



कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। लापरवाही के आरोप में संबंधित क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारियों और अभियंताओं को निलंबित भी किया गया है। निगम के अनुसार, दिल्ली में केवल 512 पेइंग गेस्ट आवास ही मास्टर प्लान के अनुरूप संचालित हो रहे हैं।

हादसा दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर के निकट स्थित हॉस्टल डेज बॉयज आवास में हुआ था। इमारत में एक तहखाने के अलावा 5 मंजिलें थीं। 6 सितंबर को दोपहर करीब 1:30 बजे इमारत ढहने से कई छात्र मलबे में दब गए थे।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर अब नहीं दिखेंगे बैरिकेड्स, पुलिस ने हटाई पाबंदी

वेब वार्ता, नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर के आसपास रहने वाले लोगों को बड़ी राहत मिली है। दिल्ली पुलिस ने इलाके में लगाए गए पुलिस अवरोधक हटा दिए हैं, जिससे स्थानीय निवासियों और राहगीरों की आवाजाही आसान हो गई है। यह कार्रवाई जंतर-मंतर को अधिकृत प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटाए जाने के बाद की गई है।

स्थानीय लोग लंबे समय से अवरोधकों और आवाजाही पर लगी पाबंदियों का विरोध कर रहे थे। उनका कहना था कि इन प्रतिबंधों के कारण घरों तक पहुंचने, बाजार जाने और रोजमर्रा के कामकाज में परेशानी होती थी। इस मुद्दे को लेकर कुछ निवासियों ने अदालत का रुख भी किया था।

दिल्ली पुलिस ने 11 अक्टूबर को जंतर-मंतर को अधिकृत प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटा दिया था। अब राजधानी में धरना-प्रदर्शन के लिए रामलीला मैदान, पूर्वी दिल्ली का सीबीडी मैदान और बुराड़ी मैदान निर्धारित किए गए हैं। यहां अनुमति और निर्धारित नियमों के तहत प्रदर्शन आयोजित किए जा सकेंगे।

दिल्ली पुलिस ने उच्चतम न्यायालय में दाखिल हलफनामे



में जंतर-मंतर को बड़े प्रदर्शनों के लिए अनुपयुक्त बताया है। पुलिस के अनुसार, आसपास यातायात, सुरक्षा और आपातकालीन सेवाओं से जुड़ी चुनौतियां पैदा होती हैं। इसके अलावा, 3 से 4 किलोमीटर के दायरे में 78 विदेशी दूतावास, राजनयिक मिशन और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के कार्यालय स्थित हैं।

गौरतलब है कि जंतर-मंतर लंबे समय से देश के राजनीतिक और सामाजिक आंदोलनों का प्रमुख केंद्र रहा है। यहां विभिन्न संगठनों और नागरिक समूहों ने अपनी मांगों को लेकर बड़े आंदोलन किए हैं। अवरोधक हटने से स्थानीय लोगों को राहत मिली है, जबकि प्रदर्शनकारियों को अब निर्धारित वैकल्पिक स्थलों पर अपनी मांगें उठानी होंगी।

दिल्ली पुलिस का बड़ा एक्शन

अबू धाबी से दबोचा गया रेप का आरोपी सीनियर मैनेजर

वेब वार्ता, नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में विदेश भागे आरोपी को संयुक्त अरब अमीरात से प्रत्यर्पित कर भारत लाने में सफलता हासिल की है। केंद्रीय जिला पुलिस की टीम ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो, इंटरपोल और अन्य केंद्रीय एजेंसियों के सहयोग से 38 वर्षीय आरोपी सजीर पल्ली मूप्पन उर्फ सजीर पीएम को 4 नवंबर को अबू धाबी से भारत लाया।

आरोपी केरल के कन्नूर का रहने वाला है और उस पर 20 वर्षीय युवती के साथ दुष्कर्म का आरोप है। पुलिस के अनुसार, घटना 1 अक्टूबर 2025 की रात पंजाबी बाग स्थित एक लाउंज में आयोजित जन्मदिन की पार्टी के दौरान हुई थी।

आरोप है कि आरोपी ने युवती को शराब और नशीला पदार्थ पिलाने के बाद करोल बाग के एक होटल में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। होटल में कमरा



बुक कराने के लिए उसने कथित तौर पर किसी अन्य व्यक्ति के पहचान संबंधी दस्तावेजों का इस्तेमाल किया था। पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस ने 18 फरवरी 2026 को मामला दर्ज किया।

हालांकि, आरोपी 5 जनवरी को ही भारत छोड़कर संयुक्त अरब अमीरात भाग गया था। पुलिस ने उसकी तलाश के लिए अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों की मदद ली और 7 जुलाई 2026 को इंटरपोल के माध्यम से उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी कराया। जांच के दौरान पुलिस ने होटल के अभिलेख, सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्य जुटाए।

आरोपी की विदेश में मौजूदगी का पता चलने के बाद सीबीआई के विकसित भारतपोल मंच के जरिए अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से संपर्क किया गया। लगातार कानूनी प्रक्रिया के बाद 9 अक्टूबर 2026 को अबू धाबी के सक्षम प्राधिकरण ने भारत के प्रत्यर्पण अनुरोध को मंजूरी दे दी।

इसके बाद इंस्पेक्टर कपिल खोखर, उपनिरीक्षक संदीप और उपनिरीक्षक काजल त्यागी की विशेष टीम संयुक्त अरब अमीरात पहुंची और 4 नवंबर को आरोपी को भारतीय अधिकारियों के हवाले कर दिया गया। दिल्ली पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ भारतीय कानून के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है। उसे अब अदालत में अपने खिलाफ लगे आरोपों का सामना करना होगा।

बेहतर भविष्य | **शहीद पुलिसकर्मियों के बच्चों की पूरी फीस भरेगा विभाग**

दिल्ली पुलिसकर्मियों के बच्चों को मिलेगी 20 हजार की छात्रवृत्ति

वेब वार्ता, नई दिल्ली। खाकी वर्दी पहनकर दिन-रात आवाम की हिफाजत करना कोई आसान काम नहीं है। दिल्ली पुलिस के जवान चौबीसों घंटे मुस्तैद रहते हैं न उन्हें त्योहारों की छुट्टी नसीब होती है और न ही अपने बच्चों के साथ इत्मीनान से वक्त बिताने का पूरा मौका। ऐसे में उनके जेहन में हमेशा एक फिक्र सताती रहती है कि उनके बच्चों की पढ़ाई और उनके भविष्य का क्या होगा?

अब दिल्ली पुलिस महकमे ने अपने जवानों की इसी सबसे बड़ी फिक्र को दूर करने के लिए एक बेहद शानदार और काबिले-तारीफ कदम उठाया है। अपने कर्मचारियों के बच्चों को बेहतर तालीम और उजला भविष्य देने के मकसद से, महकमे ने एजुकेशन स्कॉलरशिप यानी वजीफे की रकम में बड़ा इजाफा कर दिया है।

इसके साथ ही एक नया फैसला लिया गया है, जिसके तहत बोर्ड की परीक्षाओं और नेशनल लेवल के कॉम्पिटिटिव एग्जाम्स में झंडे गाड़ने वाले होनहार बच्चों को अब नकद इनाम देकर उनकी हौसला अफजाई की जाएगी। महकमे के बड़े अफसरों के मुताबिक, यह अहम बदलाव 'दिल्ली पुलिस



एजुकेशन फंड' को रेगुलेट करने वाले स्टैंडिंग ऑर्डर (स्थायी आदेश) में तरमीम करके लागू किया गया है।

सबसे बड़ी राहत उन बच्चों को दी गई है जो स्कूल के बाद हायर एजुकेशन, किसी प्रोफेशनल कोर्स या डिप्लोमा की पढ़ाई कर रहे हैं। पहले इन कोर्सेज को करने के लिए महकमे की तरफ से 15000 रुपये की स्कॉलरशिप मिलती थी।

लेकिन आज के दौर की महंगाई और पढ़ाई के भारी-भरकम खर्च को देखते हुए इस रकम को बढ़ाकर अब सीधे 20000 रुपये कर दिया गया है। इससे पुलिसवालों के बच्चों को अपनी आगे की पढ़ाई बेफिक्र होकर जारी रखने में काफी माली मदद मिलेगी। बच्चों के अंदर पढ़ाई को लेकर एक हेल्दी कॉम्पिटिशन पैदा करने के लिए दिल्ली पुलिस ने एक बेहतरीन इनाम का भी ऐलान किया है।

> सरकारी योजनाओं में अक्सर यह शिकायत रहती है कि फायदा सिर्फ ऊपर बैठे लोगों को मिलता है। लेकिन इस बार महकमे ने सबको एक ही चश्मे से देखा है। अधिकारियों ने बिल्कुल साफ कर दिया है कि इस एजुकेशन फंड के तहत मिलने वाली तमाम सहूलियतें महकमे के हर रैंक के कर्मचारियों के लिए होंगी।

अगर महकमे के किसी भी कर्मचारी का बच्चा 10वीं या 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 90 फीसदी या उससे ज्यादा नंबर लेकर आता है, तो उसे वन-टाइम इंसेंटिव के तौर पर 5000 रुपये का नकद इनाम दिया जाएगा। यह नई स्कीम अकैडमिक ईयर 2025-26 से पूरी तरह से लागू हो जाएगी। जाहिर है, इस फैसले से बच्चे और ज्यादा लगन से मेहनत करने के लिए प्रेरित होंगे।

टाटा के नकली उत्पादों का भंडाफोड़, फैक्टरी पर छापा; आरोपी गिरफ्तार





वेब वार्ता, नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की रोहिणी नारकोटिक्स सेल और गुरुग्राम की ब्रांड संरक्षण एजेंसी प्रोटेक्ट आईपी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए टाटा कंपनी के नाम पर नकली उत्पाद बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस टीम ने ककराला इलाके में एक फैक्टरी पर छापा मारकर भारी मात्रा में नकली सामान बरामद किया और मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार, प्रोटेक्ट आईपी इंडिया की टीम से मिली गोपनीय सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। छापेमारी के दौरान टाटा मोटर्स के नाम से तैयार की जा रही नकली डीजल एग्जॉस्ट फ्लूइड (डीईएफ) की बाल्टियों का बड़ा जखीरा मिला। आरोपी कथित तौर पर इस अवैध कारोबार का संचालन कर रहा था।

पुलिस ने बरामद उत्पादों को जब्त कर सील कर दिया है। आरोपी के खिलाफ कॉपीराइट अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब इस कारोबार से जुड़े अन्य आपूर्तिकर्ताओं और खरीदारों की पहचान करने के लिए जांच कर रही है।

इमरान हत्याकांड का फरार आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार, 11 मुकदमे दर्ज

वेब वार्ता। जेवर



ग्रेटर नोएडा के जेवर में पुलिस ने इमरान हत्याकांड में फरार चल रहे आरोपी सालू को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। बुधवार देर रात जहांगीरपुर-हसनपुर मार्ग पर हुई मुठभेड़ में पुलिस की जवाबी कार्रवाई के दौरान गोली लगने से आरोपी घायल हो गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार, जहांगीरपुर-हसनपुर मार्ग के मोड़ पर चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन वह भागने लगा। पुलिस टीम ने पीछा किया तो उसने कथित तौर पर पुलिस पर गोली चला दी। जवाबी कार्रवाई में वह घायल हो गया। उसकी पहचान बुलंदशहर के पहासू निवासी सालू के रूप में हुई है। उसके कब्जे से .315 बोर का तमंचा, 1 खोखा और 2 जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

7 अक्टूबर को हुई थी इमरान की हत्या:पुलिस के मुताबिक, 7 अक्टूबर की रात 36 वर्षीय इमरान की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में 8 अक्टूबर को जेवर थाने में सालू और उसके साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के बाद से वह फरार चल रहा था। पुलिस अब तक इस हत्याकांड से जुड़े 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

आरोपी पर 11 मुकदमे दर्ज:पुलिस के अनुसार, सालू के खिलाफ जेवर, पहासू, मडराक, अकराबाद और बुलंदशहर कोतवाली में कुल 11 मुकदमे दर्ज हैं। इनमें हत्या, हत्या के प्रयास, चोरी, जुआ, बिजली चोरी और दहेज प्रतिषेध अधिनियम से जुड़े मामले शामिल हैं। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

गाजियाबाद में योगी की पदयात्रा में उमड़े जनसैलाब पर बोले विधायक

वेब वार्ता। गाजियाबाद

- अखिलेश को बताया 'मुंगेरीलाल', राहुल पर कसा तंज

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की 'लोकतंत्र बचाओ- अराजकता हटाओ' पदयात्रा में उमड़ी भीड़ को लेकर भाजपा विधायक संजीव शर्मा ने खुशी जताई। गाजियाबाद शहर विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि पदयात्रा में लोगों की भागीदारी उम्मीद से भी ज्यादा रही। क्षेत्र अध्यक्ष नवाब सिंह नागर के नेतृत्व में निकली इस यात्रा का लोगों ने जोरदार स्वागत और समर्थन किया। उन्होंने कहा कि मौके पर किलोमीटर तक जनसैलाब नजर आ रहा है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बिना चुनाव लड़े सीधे मुख्यमंत्री बनने संबंधी बयान पर संजीव शर्मा ने तंज कसते हुए उन्हें 'मुंगेरीलाल' बताया। उन्होंने कहा कि मुंगेरीलाल को हसीन सपने आते थे और अखिलेश यादव को भी ऐसे ही सपने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी कुछ भी कह सकता है, लेकिन चुनाव में जनता का जनादेश ही तय करता है कि किसे समर्थन मिल रहा है। विधायक ने दावा किया कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जिस तरह जनता का समर्थन मिला था, आज भी वैसा ही जनसमर्थन भाजपा के साथ है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के मोदी और अमित शाह को लेकर दिए गए बयान पर भी संजीव शर्मा ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह कहीं नहीं जा रहे हैं। देश की जनता उन्हें कहीं नहीं जाने देगी। राहुल गांधी के पांच मिनट की बहस की चुनौती पर उन्होंने कहा कि संसद बहस के लिए ही बनी है और सांसदों को वहां चर्चा करनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि संसद में बहस करने के बजाय इस तरह के बयान क्यों दिए जा रहे हैं। विधायक ने राहुल गांधी के बयान को बचकाना बताते हुए कहा कि देश और क्षेत्र की जनता उन्हें गंभीरता से नहीं लेती।



गाजियाबाद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में उमड़ा जनसैलाब।

यमुना एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार के खिलाफ कार्रवाई, 55 वाहनों के चालान

जेवर। यमुना एक्सप्रेसवे पर त ेज रफ्तार से वाहन चलाने वालों के खिलाफ यातायात पुलिस ने 'स्पीड सेफ' अभियान के तहत कार्रवाई की है। अभियान के दौरान निर्धारित गति सीमा का उल्लंघन करने वाले 55 वाहनों के चालान काटे गए और वाहन चालकोंपर कुल 1.10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। यातायात पुलिस के अनुसार, यमुना एक्सप्रेसवे पर कार और अन्य हल्के वाहनों के लिए अधिकतम गति सीमा 100 किलोमीटर प्रति घंटा, जबकि बस, ट्रक और अन्य भारी वाहनों के लिए 60 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित है। इसके बावजूद कई चालक नियमों की अनदेखी कर तेज रफ्तार से वाहन चलाते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। पुलिस ने अभियान के दौरान वाहनों की गति पर निगरानी रखी और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ चालान की कार्रवाई की। अधिकारियों का उद्देश्य तेज रफ्तार पर नियंत्रण लगाने के साथ सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना और वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना है।

'कांग्रेस देश व लोकतंत्र को कमजोर करना चाहती है इसलिए सड़क पर उतरेंगे योगी जी': अशोक कटारिया

वेब वार्ता। गाजियाबाद

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की गाजियाबाद में प्रस्तावित 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' पदयात्रा को लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक कटारिया ने कांग्रेस और इंडिया गठबंधन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस देश और लोकतंत्र को कमजोर करना चाहती है। इसी के विरोध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सड़क पर उतरकर बड़ा मार्च करेंगे, जिसमें हजारों कार्यकर्ताओं के शामिल होने की उम्मीद है।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पदयात्रा के राजनीतिक प्रभाव को लेकर अशोक कटारिया ने कहा कि मुख्यमंत्री की इस पदयात्रा से पूरे पश्चिमी यूपी में माहौल बनेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर पूरी मजबूती से तैयारी कर रही है। गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन में प्रस्तावित यह पदयात्रा चुनावी तैयारियों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। एक नवंबर को दिल्ली में आयोजित इंडिया गठबंधन की रैली पर निशाना साधते हुए कटारिया ने कहा कि रैली में कुर्सियां खाली थीं और गठबंधन का दम निकल चुका है। उन्होंने कहा कि यह कोई मजबूत गठबंधन नहीं, बल्कि भारत की आंखों में धूल झोंकने वाले लोगों का मंच है।

अखिलेश यादव के बयान पर कसा तंज:समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के बिना चुनाव लड़े ही सीधे मुख्यमंत्री बनने संबंधी बयान पर कटारिया ने तंज कसते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी ख्याली पुलाव पका रही है और पकाती रहेगी।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन में होने वाली पदयात्रा को 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिहाज से भी देखा जाना चाहिए।

नोएडा में 5 से 8 नवंबर तक बदला रहेगा यातायात

वेब वार्ता। नोएडा

- धनतेरस-दीपावली पर बाजारों में भीड़ के मद्देनजर विशेष व्यवस्था, अट्टा चौक और फिल्मसिटी मार्ग पर लागू रहेगा बदलाव

धनतेरस और दीपावली के त्योहारों पर बाजारों और शॉपिंग मॉल में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए नोएडा यातायात पुलिस ने विशेष यातायात योजना लागू की है। इसके तहत 5 से 8 नवंबर तक शहर के कई प्रमुख मार्गों पर वाहनों का आवागमन बदला रहेगा। अट्टापीर चौक, अट्टा चौक और फिल्मसिटी फ्लाईओवर सहित कई स्थानों पर वाहनों को निर्धारित वैकल्पिक मार्गों से गुजरना होगा। यातायात पुलिस ने लोगों से घर से निकलने से पहले मार्गों की जानकारी लेने और अनावश्यक जाम से बचने की अपील की है।

अट्टापीर चौक से अट्टा चौक जाने का बदला मार्ग:यातायात व्यवस्था के तहत अट्टापीर चौक से अट्टा चौक की ओर जाने वाले वाहनों को अट्टापीर से बाएं मुड़कर राय रेजीडेंसी चौक पहुंचना होगा। यहां से दाएं मुड़कर कैम्ब्रिज स्कूल के सामने से एलिवेटेड मार्ग के नीचे बने निर्धारित मोड़ से वापस मुड़ना होगा। इसके बाद वाहन सेक्टर-28 कार बाजार होते हुए अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे। इसी प्रकार अट्टा चौक से अट्टापीर की ओर जाने वाले वाहनों को अट्टा चौक से बाएं मुड़कर जीआईपी मॉल के सामने से फिल्मसिटी फ्लाईओवर के नीचे निर्धारित स्थान पर वापस मुड़ना होगा। इसके बाद डीएलएफ और सेंटर स्टेज मॉल की ओर से बाएं मुड़कर अपने गंतव्य तक पहुंचा जा सकेगा।

फिल्मसिटी और सेक्टर-18 मार्ग पर भी बदलाव:फिल्मसिटी फ्लाईओवर और गुरुद्वारा सेक्टर-18 की ओर से सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन जाने वाले वाहनों को सेक्टर-18 भूमिगत मार्ग से होकर गुजरना होगा। यातायात पुलिस ने इस मार्ग पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की है।

दादरी क्षेत्र में लुहारली टोल से एनटीपीसी तिराहे तक भारी, मध्यम और हल्के मालवाहक वाहनों पर पहले से लागू प्रवेश प्रतिबंध जारी रहेगा। आवश्यकता पड़ने पर रेलवे मार्ग का यातायात रेलवे फ्लाईओवर से पूर्व बाईपास तिराहे होते हुए एनटीपीसी तिराहे की ओर भेजा जा सकेगा। इसके अलावा नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर भी भारी, मध्यम और हल्के मालवाहक वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। इससे त्योहारों के दौरान प्रमुख मार्गों पर यातायात का दबाव कम रखने में मदद मिलेगी।

सड़क किनारे वाहन खड़े करने पर रहेगी रोक:यातायात पुलिस ने बाजारों और शॉपिंग मॉल में खरीदारी के लिए आने वाले लोगों से अपने वाहन सड़क किनारे खड़े नहीं करने की अपील की है। वाहन निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़े करने को कहा गया है। पुलिस के अनुसार, सड़क किनारे अवैध पार्किंग से यातायात बाधित होता है और भीड़ के समय जाम की स्थिति गंभीर हो सकती है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली राजघाट का किया शैक्षिक भ्रमण

ग्रेटर नोएडा। जीडी गोयंका पब्लिक स्कूल के कक्षा 3 से 5 तक के विद्यार्थियों ने गुरुवार को दिल्ली राजघाट का शैक्षिक भ्रमण किया। भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भारत के इतिहास, राष्ट्रीय धरोहर एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जीवन और आदर्शों से परिचित कराना था। विद्यार्थियों ने महात्मा गांधी की समाधि स्थल राजघाट का अवलोकन किया। राजघाट का शांत एवं प्रेरणादायक वातावरण विद्यार्थियों के लिए एक विशेष अनुभव रहा। इस शैक्षिक भ्रमण ने विद्यार्थियों में देश के इतिहास एवं राष्ट्रीय धरोहर के प्रति सम्मान की भावना विकसित की। साथ ही, उन्होंने यह भी सीखा कि महात्मा गांधी के आदर्श आज भी हमारे जीवन में अत्यंत प्रासंगिक हैं। यह भ्रमण विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं यादगार रहा।

प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त हुए प्रेम प्रधान

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर चाई-4 स्थित करप्शन फ्री इंडिया संगठन के कार्यालय पर संगठन की कोर कमेटी की बैठक संस्थापक चौधरी प्रवीण भारतीय के नेतृत्व में संपन्न हुई। बैठक में संगठन के गौतम बुद्ध नगर जिला अध्यक्ष चौधरीप्रेम प्रधान को पदोन्नति देते हुए संगठन की कोर कमेटी का सदस्य एवं उत्तर प्रदेशप्रदेश कार्यकारिणी में प्रदेश उपाध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। संगठन के संस्थापक सदस्य आलोक नागर एवं प्रदेश महासचिव मास्टर दिनेश नागर ने बताया कि ग्राम जुनेदपुर निवासी चौधरी प्रेम प्रधान वर्ष 2013 में संगठन की स्थापना से ही लगातार संगठन की विचारधारा के साथ जुड़कर भ्रष्टाचार मुक्त भारत जन आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। वे ईमानदारी के साथ करेंगे। इस मौकेपर चौधरी प्रेमराज भाटी, मास्टर दिनेश नागर, लव यादव, शिव कुमार कसाना,पीयूष यादव सहित संगठन के अन्य कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नोएडा में आठवां एक्यूआई स्टेशन शुरू होगा

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-143 में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सी पीसीबी) द्वारा स्थापित आठवां वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन इसी सप्ताह से काम शुरू करेगा। इसके शुरू होने से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में वायु प्रदूषण की निगरानी बेहतर हो सकेगी। स्टेशन के संचालन में बिजली कनेक्शन की बाधा दूर हो गई है। यहां ट्रांसफार्मर और मीटर लगाने का काम पूरा कर लिया गया है। उत्तरप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्राधिकारी रीतेश तिवारी के अनुसार, नोएडा के क्षेत्रफल को देखते हुए आठ निगरानी केंद्रों की आवश्यकता है। फिलहाल सात स्टेशन संचालित हैं और आठवां स्टेशन तीन से चार दिन में शुरू हो जाएगा। इससे शहर के अलग-अलग इलाकों के वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) का आकलन अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा।

एयरपोर्ट इंजीनियर गांजा तस्करी में गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा पुलिस ने दिल्ली एयरपोर्ट पर टेक्निकल इंजीनियर के रूप में कार्यरत एक व्यक्ति को गांजा तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। सेक्टर-58 थाना पुलिस ने आरोपी को पकड़कर उसके कब्जे से गांजा बरामद किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी शिलांग से गांजा मंगवाकर नोएडा और आस पास के क्षेत्रों में इसकी सप्लाई करता था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वह नौकरी के साथ मादक पदार्थों की तस्करी में भी संलिप्त था। पुलिस उससे पूछताछ कर इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान और तस्करी के पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत प्रस्तुत की

गाजियाबाद। मेरठ रोड स्थित डीपीएस एचआरआईटी में गुरुवार को वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत औरप्रगति की यात्रा का मंचन हुआ। इस दौरान मुख्य अतिथि पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. अनिल अग्रवाल, उप चांसलर डॉ. अंजुल अग्रवाल, एमडी डॉ. वैशाली अग्रवाल, वाइस चांसलर डॉ. डीके शर्मा और प्रधानाचार्या नंदिनी शेखर उपस्थित रहे।

वीनस क्रिकेट अकादमी ने 188 रन से मैच जीता

गाजियाबाद। जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयुथ वेदा चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट का लीग मैच बीआरएस नेशनल क्रिकेट अकादमी और वीनस अकादमी के बीच खेला गया। मैच में वीनस क्रिकेट अकादमी ने 188 रन से जीत हासिल की। वीनस अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 350 रन बनाए। वहीं, बीआरएस अकादमी की पूरी टीम 28.2 ओवर में 162 रन बनाकर ढेर हो गई।

अंडर-14 जिला बास्केटबॉल लीग स्थगित

गाजियाबाद। नवंबर में होने वाली दूसरी अंडर-14 जिला बास्केटबॉल लीग को स्थगित कर दिया गया है। प्रदूषण के कारण नवंबर और दिसंबर में खेल गतिविधियों पर रोक लगाने के आदेशों को देखते ये फैसला लिया गया। जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन के महासचिव नीरज शर्मा ने बताया कि 14 नवंबर को
लीग आयोजित होनी थी। हालात अनुकूल रहे तो लीग जनवरी में आयोजित होगी।

गंदगी और मिलावट के बीच बन रही थीं मिठाइयां, 2 दुकानों के लाइसेंस निलंबित

ग्रेटर नोएडा। त्योहारों के दौरान मिठाइयों की मांग बढ़ने के बीच ग्रेटर नोएडा में खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी में कई दुकानों पर गंदगी और घटिया खाद्य सामग्री के इस्तेमाल का मामला सामने आया है। विभाग ने कार्रवाई करते हुए 20 दुकानदारों को नोटिस जारी किए हैं, जबकि 2 दुकानों के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं। जांच के दौरान मिठाई निर्माण स्थलों पर मक्खियां, मच्छर और गंदगी पाई गई। इसके अलावा मिठाइयों में मानक से अधिक रंग का इस्तेमाल तथा खोया, छेना, बेसन और खाद्य तेल की गुणवत्ता में भी खामियां मिलीं। विशेष रूप से रसगुल्लों के निर्माण में स्वच्छता और सामग्री की गुणवत्ता को लेकर गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। खाद्य सुरक्षा विभाग ने संबंधित दुकानों पर मिठाई बनाने पर रोक लगा दी है। अधिकारियों के अनुसार, दुकानदारों को व्यवस्था में सुधार के लिए नोटिस दिए गए हैं। करीब 15 दिन बाद दोबारा निरीक्षण किया जाएगा। सुधार नहीं मिलने पर लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई की जाएगी। सहायक खाद्य आयुक्त द्वितीय सर्वेश मिश्रा ने बताया कि छापेमारी अभियान पर मुख्यालय से निगरानी रखी जा रही है।

मोदीनगर सड़क हादसे में मुजफ्फरनगर के 29 वर्षीय सिपाही की मौत

वेब वार्ता।
गाजियाबाद/मुजफ्फरनगर

- मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में लगी थी ड्यूटी, पुलिस चालक की तलाश में जुटी

जनपद के गांधी कॉलोनी निवासी उत्तर प्रदेश पुलिस के एक युवा सिपाही की गाजियाबाद में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में मौत हो गई। 29 वर्षीय सिपाही प्रभात शर्मा को दिल्ली-मेरठ मार्ग पर मोदीनगर के गोविंदपुरी क्षेत्र में एक अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उनकी जान चली गई। प्रभात शर्मा गाजियाबाद पुलिस लाइन में रेडियो ऑपरेटर के पद पर तैनात थे। उनकी असामयिक मौत की खबर से मुजफ्फरनगर स्थित उनके परिवार और परिचितों में शोक छा गया।

जानकारी के अनुसार प्रभात शर्मा मूल रूप से मुजफ्फरनगर के नई मंडी थाना क्षेत्र की गांधी कॉलोनी के निवासी थे। वर्तमान में उनकी तैनाती गाजियाबाद पुलिस लाइन में रेडियो ऑपरेटर के पद पर थी। पांच नवंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गाजियाबाद में प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर उनकी ड्यूटी भी लगाई गई थी। गुरुवार सुबह मोदीनगर के गोविंदपुरी क्षेत्र में दिल्ली-मेरठ मार्ग पर प्रभात शर्मा बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वह गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौत हो गई।

हादसे के बाद पुलिस ने मृतक सिपाही के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश में जुटी है। घटना की जानकारी परिजनों को दे दी गई है। युवा सिपाही की मौत से पुलिस विभाग में भी शोक का माहौल है। मुजफ्फरनगर की गांधी कॉलोनी में रहने वाले प्रभात शर्मा की मौत की खबर से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। 29 वर्ष की उम्र में उनका इस तरह दुनिया से चले जाना परिजनों और परिचितों के लिए गहरा सदमा है।

ग्रेनो वेस्ट का गौड़ अंडरपास खुला, वाहनों की आवाजाही शुरू

वेब वार्ता। ग्रेटर नोएडा



ग्रेटर नोएडा वेस्ट के चार मूर्ति चौक पर नवनिर्मित गौड़ अंडरपास को बृहस्पतिवार सुबह परीक्षण के लिए खोल दिया गया। इसके साथ ही अंडरपास से भारी वाहनों, बसों और निजी वाहनों की आवाजाही शुरू हो गई। हनुमान मंदिर रोटरी से तिगरी और गाजियाबाद की ओर जाने वाले वाहन अब अंडरपास का उपयोग कर सकेंगे। सुबह लगभग 10 बजे व्यस्त समय के दौरान भी चार मूर्ति चौक के ऊपर यातायात सामान्य दिखाई दिया। हालांकि, हिंडन पुल पर वाहनों की गति धीमी रही।

अंडरपास का औपचारिक लोकार्पण 12 नवंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किए जाने की संभावना है। प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुमित यादव ने बताया कि फिलहाल 6 लेन के गौड़ अंडरपास को परीक्षण के लिए खोला गया है। इस दौरान यदि निर्माण या यातायात व्यवस्था से जुड़ी कोई कमी सामने आती है तो उसे समय रहते दूर किया जाएगा।

5 लाख लोगों को मिलेगा सीधा लाभ:यह अंडरपास दीपावली से पहले शुरू किया जाना प्रस्तावित था। निर्माण कार्य लगभग पूरा होने के बाद अब वाहनों की आवाजाही शुरू करा दी गई है। इससे ग्रेटर नोएडा वेस्ट और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लगभग 5 लाख लोगों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है।

टेकजोन-4, एफएनजी, सेक्टर-1, सेक्टर-2 और सूरजपुर-कासना मार्ग से आने वाले वाहन अब चार मूर्ति चौक पर जाम में फंसे बिना गाजियाबाद, तिगरी और गौड़ सिटी की ओर जा सकेंगे। इससे क्षेत्र के प्रमुख मार्गों पर यातायात का दबाव कम होने और आवागमन सुगम होने की उम्मीद है।

चार मूर्ति चौक पर जाम की समस्या होगी कम:ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी रवि कुमार एनजी के अनुसार, अंडरपास शुरू होने से चार मूर्ति चौक पर लगने वाले जाम की बड़ी समस्या से राहत मिलेगी। लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस परियोजना में बारिश के पानी से बचाव के लिए आवश्यक छतरी और अन्य व्यवस्थाएं भी की गई हैं। इनसे अंडरपास में जलभराव की समस्या रोकने में मदद मिलेगी।

रात में पर्याप्त रोशनी और आकर्षक चित्रकारी:अंडरपास में रात के समय सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की गई है। इसके अंदर पर्यावरण और विकास से जुड़े विषयों पर आकर्षक चित्रकारी भी कराई गई है, जिससे यहां से गुजरने वाले यात्रियों को बेहतर अनुभव मिल सके। इसके अलावा अंडरपास के ऊपर चार मूर्ति चौक का आकार भी छोटा किया गया है। इससे 130 मीटर मार्ग से गुजरने वाले वाहनों को अतिरिक्त जगह मिलेगी और चौराहे पर यातायात का दबाव कम करने में मदद मिलेगी।

2024 में शुरू हुआ था निर्माण, तीन बार बढ़ी समयसीमा:गौड़ अंडरपास का निर्माण वर्ष 2024 की शुरुआत में शुरू किया गया था। प्रारंभ में इसकी अनुमानित लागत लगभग 60 करोड़ रुपये बताई गई थी, लेकिन निविदा प्रक्रिया के दौरान इसे संशोधित कर 82 करोड़ रुपये कर दिया गया।

नोएडा में साइबर ठगों का आतंक: छह लोगों से 42 लाख रुपये की ठगी, मुकदमे दर्ज

वेब वार्ता। नोएडा



नोएडा और ग्रेटर नोएडा के इलाके में साइबर अपराधियों ने अलग-अलग हथकंडों का इस्तेमाल करते हुए छह लोगों को अपना निशाना बनाया है। अपराधियों ने इन लोगों से कुल मिलाकर करीब 42 लाख रुपये की ठगी की घटना को अंजाम दिया है। किसी पीड़ित को डॉक्टर का अपॉइंटमेंट बुक कराने के नाम पर फोन में ऐप डाउनलोड करवाया गया, तो किसी को शेयर बाजार में भारी मुनाफा कमाने का लालच दिया गया। इसके अलावा, बैंक का प्रतिनिधि और परिचित बनकर भी लोगों से रकम हड़पने के मामले सामने आए हैं। इन सबके बीच, एक कंपनी का ई-मेल हैक करके बैंक खाते की फर्जी जानकारी भेजकर आठ लाख रुपये दूसरे खाते में ट्रांसफर कराने का मामला भी प्रकाश में आया है। इन सभी वारदातों के संबंध में साइबर क्राइम थाने में मुकदमे दर्ज कर लिए गए हैं और पुलिस ने अपनी जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्रेटर नोएडा में रहने वाले विजेंद्र सिंह ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि उन्होंने नवीन हॉस्पिटल में डॉक्टर का अपॉइंटमेंट लेने के लिए ऑनलाइन नंबर खोजकर संपर्क साधा था। इसके बाद उनके व्हाट्सएप पर एक संदेश भेजा गया और एक विशेष ऐप डाउनलोड करने को कहा गया। जैसे ही उन्होंने वह ऐप डाउनलोड किया, साइबर अपराधियों ने उनका बैंक खाता हैक कर लिया और सात अलग-अलग बार में कुल 6,21,693 रुपये कई अन्य खातों में ट्रांसफर कर लिए। एक अन्य घटना में, सेक्टर-78 स्थित हाइड पार्क सोसायटी के रहने वाले सेवानिवृत्त वी. शंकरन के बैंक खाते से 8,88,387 रुपये निकाल लिए गए। पीड़ित के बताए अनुसार, दो नवंबर 2026 को उनके मोबाइल पर लगातार एसएमएस के जरिए अलर्ट आने लगे। जब उन्होंने इसकी छानबीन की, तो पता चला कि उनकी बिना किसी जानकारी और अनुमति के नॉन-बैंकिंग कंपनियों से उनके नाम पर लोन ले लिया गया था। जैसे ही लोन की वह रकम खाते में पहुंची, साइबर ठगों ने उसे तुरंत अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर लिया। पीड़ित का यह कहना है कि उन्होंने अपनी तरफ से किसी को भी कोई ओटीपी या बैंक से जुड़ी गोपनीय जानकारी साझा नहीं की थी।

बीमा पॉलिसी और शेयर बाजार का लालच:पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, अछेजा गांव की कन्हा रेजिडेंसी कॉलोनी के रहने वाले अभिषेक धर को 12 अक्टूबर के दिन एक अनजान शख्स ने फोन किया था। फोन करने वाले ने खुद को बैंक का प्रतिनिधि बताया और क्रेडिट कार्ड के जरिए स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी की दो हजार रुपये की ईएमआई कटने की बात कही। उसी दिन शाम के वक्त अभिषेक के मोबाइल पर ओटीपी आने के बाद उनके क्रेडिट कार्ड से चार अलग-अलग लेनदेन के जरिए 4,03,760 रुपये निकाल लिए गए। पीड़ित ने बताया कि उन्होंने न तो किसी के साथ ओटीपी साझा किया और न ही अपने क्रेडिट कार्ड का विवरण किसी को दिया था। वहीं एक अन्य मामले में, ग्रेटर नोएडा की एक सोसायटी में रहने वाले जितेश वैष्णव को शेयर बाजार में पैसे लगाकर मोटा मुनाफा कमाने का लालच दिया गया। साइबर अपराधियों के इस झा से में आकर उन्होंने अलग-अलग खातों में 8,35,000 रुपये भेज दिए। शुरुआत में उन्हें निवेश की गई रकम बढ़ी हुई दिखाई गई।

पदयात्रा देखकर सदमे में आएंगे राहुल अखिलेश हो जाएंगे बेहोशः नंदकिशोर

वेब वार्ता। गाजियाबाद

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से गाजियाबाद में निकाली गई 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' पदयात्रा को लेकर भाजपा नेताओं की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इसी क्रम में लोनी से भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने पदयात्रा को राष्ट्र विरोधियों और सनातन विरोधियों के लिए करारा तमाचा बताया।

मीडिया से बातचीत में नंदकिशोर गुर्जर ने कहा कि राहुल गांधी इस यात्रा के बाद सदमे में आ जाएंगे और उन्हें नींद नहीं आएगी, जबकि अखिलेश यादव बेहोश हो जाएंगे। अखिलेश यादव के भगवान श्रीकृष्ण को लेकर दिए गए कथित बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव डरे हुए हैं। विधायक ने दावा किया कि यादव समाज के लोग भी समाजवादी पार्टी को सनातन विरोधी मानते हुए उसका विरोध करेंगे। गुर्जर ने कहा कि पदयात्रा में उमड़ा जनसैलाब देश के नौजवानों, महिलाओं और बुजुर्गों का संदेश है। उनके मुताबिक, दिल्ली के नजदीक गाजियाबाद में इतनी बड़ी संख्या में लोगों का जुटना इस बात का संकेत है कि देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व के साथ खड़ा है।

अखिलेश यादव पर लगाए गंभीर आरोप:विधायक ने अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी पर दंगा कराने तथा मुजफ्फरनगर हिंसा को लेकर भी आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि इन नेताओं के खिलाफ जांच होनी चाहिए। गुर्जर ने राम मंदिर आंदोलन के कारसेवकों को लेकर दिए गए बयानों का जिक्र करते हुए सपा नेताओं को राम और कृष्ण विरोधी बताया। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश और देश की जनता ऐसे लोगों को स्वीकार नहीं करेगी।

राज्य कर्मचारियों को दिवाली का तोहफा

महंगाई भत्ते में 3 फीसदी की बढ़ोतरी को मुख्यमंत्री धामी की मंजूरी

वेब वार्ता। देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों को बड़ी सौगात देते हुए महंगाई भत्ते में 3 प्रतिशत वृद्धि के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस फैसले के बाद राज्य कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 60 प्रतिशत से बढ़कर 63 प्रतिशत हो जाएगा। बढ़ी हुई दर 1 जुलाई, 2026 से प्रभावी होगी।

केंद्र सरकार की ओर से सातवें केंद्रीय वेतन आयोग के अंतर्गत वेतन प्राप्त कर रहे कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में भी 3 प्रतिशत की वृद्धि कर इसे 63 प्रतिशत किया गया है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री धामी ने राज्य कर्मचारियों को भी केंद्र के समान महंगाई भत्ता देने के प्रस्ताव पर मुहर लगाई है।

इस निर्णय का लाभ केवल राज्य सरकार के नियमित पात्र कार्मिकों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि स्थानीय निकायों, सहायता प्राप्त शिक्षण



संस्थानों, राजकीय विश्वविद्यालयों, प्राविधिक शिक्षण संस्थानों और यूजीसी वेतनमान के तहत कार्यरत पात्र कर्मचारियों को भी मिलेगा।

मुख्यमंत्री की स्वीकृति के अनुसार, कर्मचारियों को 1 जुलाई से 31 अक्टूबर, 2026 तक की अवधि के बढ़े हुए महंगाई भत्ते का अंतर एरियर के रूप में नकद भुगतान किया जाएगा। सरकार के इस फैसले से प्रदेश के हजारों कर्मचारियों को आर्थिक राहत मिलेगी।

दिल की बात, अंकल धामी के साथ

सीएम धामी ने 8 लाख स्कूली बच्चों से किया संवाद

वेब वार्ता। देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास से ह्यदिल की बात, अंकल धामी के साथह्न कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश के करीब 8 लाख स्कूली विद्यार्थियों को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बच्चों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भैया दूज की शुभकामनाएं देते हुए त्योहारों के सांस्कृतिक महत्व, स्वच्छता, सुरक्षा, शिक्षा और जीवन में लक्ष्य निर्धारण को लेकर प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री ने बच्चों से आत्मीय संवाद करते हुए उनके परिवार का हालचाल जाना और दीपावली की तैयारियों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि त्योहार केवल खुशियां मनाने का अवसर नहीं हैं, बल्कि परिवार और समाज को आपस में जोड़ने तथा सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का माध्यम भी हैं।

सीएम धामी ने विद्यार्थियों से दीपावली पर घरों की साफ-सफाई में परिवार का सहयोग करने और स्वच्छता को जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वच्छता के लिए हर व्यक्ति का छोटा-सा प्रयास भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। मुख्यमंत्री ने बच्चों को मिट्टी के दीये जलाने और स्थानीय कुम्हारों एवं कारीगरों के उत्पाद खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के ह्यवोकल फॉर लोकलह्न मंत्र को अपनाकर स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इससे स्थानीय कारीगरों और उनके परिवारों की आजीविका को मजबूती मिलेगी।

त्योहारों के दौरान सुरक्षा को लेकर मुख्यमंत्री ने बच्चों से पटाखों से दूर रहने और दीये व फुलझड़ियां जलाते समय बड़ों की निगरानी में रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि त्योहारों की खुशियां तभी सार्थक हैं, जब सभी लोग सुरक्षित रहें। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएं देते हुए पढ़ाई के साथ खेलकूद और रचनात्मक गतिविधियों में भी भाग लेने की सलाह दी।

उत्तराखंड परिवहन निगम के बेड़े में शामिल हुईं 59 नई बसें



देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास से उत्तराखंड परिवहन निगम की 59 नई साधारण बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बीएस-06 उत्सर्जन मानकों के अनुरूप इन बसों के निगम के बेड़े में शामिल होने से प्रदेश की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। साथ ही यात्रियों को सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक परिवहन सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में सार्वजनिक परिवहन सेवाओं के विस्तार और आधुनिकीकरण के लिए लगातार प्रयास कर रही है। विशेष रूप से पर्वतीय एवं दुर्गम क्षेत्रों में बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के अंतिम छोर पर बसे गांवों तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए सड़क संपर्क के साथ मजबूत सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था भी बेहद जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नई बसों के संचालन से विभिन्न क्षेत्रों के बीच संपर्क बेहतर होगा और आमजन के साथ पर्यटकों को भी आवागमन में सुविधा मिलेगी। सरकार का प्रयास है कि उत्तराखंड के प्रत्येक क्षेत्र को बेहतर कनेक्टिविटी से जोड़ा जाए।

तीन मंडलों को मिलीं 59 बसें: उत्तराखंड परिवहन निगम की नई 59 बसों का आवंटन प्रदेश के तीन मंडलों में किया गया है।

अमित शाह के दौरे की तैयारियों का सीएम धामी ने लिया जायजा

देहरादून। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के 6 नवंबर को प्रस्तावित उत्तराखंड दौरे को लेकर राजधानी देहरादून में तैयारियां तेज हो गई हैं। गृह मंत्री के स्वागत और कार्यक्रम को भव्य एवं व्यवस्थित बनाने के लिए भाजपा संगठन के साथ ही शासन-प्रशासन भी पूरी तरह जुटा हुआ है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों एवं कार्यकताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का उत्तराखंड आगमन प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। राज्य स्थापना दिवस के कार्यक्रमों के बीच उनका दौरा प्रदेशवासियों और भाजपा कार्यकताओं के लिए उत्साह का विषय है। उन्होंने कहा कि अमित शाह का उत्तराखंड से विशेष लगाव रहा है ।

डीएम की अध्यक्षता में प्रभावित परिवारों के विस्थापन को लेकर बैठक



वेब वार्ता। टिहरी

जिलाधिकारी टिहरी गढ़वाल नितिका खण्डेलवाल की अध्यक्षता में तहसील घनसाली एवं प्रतापनगर के प्रभावित परिवारों के विस्थापन के संबंध में बैठक आयोजित की गई।बैठक में अवगत कराया गया कि मेदू सिंदवाल गांव के कुल 25 प्रभावित परिवारों में से 19 परिवारों को प्रथम किश्त का भुगतान किया जा चुका है, जबकि दो परिवारों को द्वितीय किश्त का भुगतान किया गया है। वहीं, पांच परिवारों की पत्रावलियां स्वीकृति हेतु जिला कार्यालय को प्रेषित की जा चुकी हैं।महरगांव तल्ला, गंगेरी उर्फ पनेली एवं सिन्धवाल गांव के कुछ परिवारों द्वारा तीन बार नोटिस दिए जाने के बावजूद कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। इस पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि संबंधित परिवारों को विस्थापन प्रक्रिया से बाहर किया जाए।वहीं, प्रतापनगर तहसील के बेलुंदा गांव में विस्थापन हेतु भूमि उपयुक्त नहीं पाए जाने के संबंध में जिलाधिकारी ने तहसीलदार को ग्रामीणों के साथ बैठक कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में एडीएम शैलेन्द्र सिंह नेगी, एसडीएम घनसाली मंजू राजपूत, भूवैज्ञानिक रवि नेगी एवं तहसीलदार हरीश जोशी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

गांव-गांव पहुंचेगा जल-कृषि समृद्धि अभियान : मंत्री कैड़ा

देहरादून। जलागम विभाग की ओर से प्रदेश में दो माह तक राज्य स्तरीय जल-कृषि समृद्धि अभियान चलाया जाएगा। जलागम मंत्री राम सिंह कैड़ा ने बताया कि अभियान का उद्देश्य विभागीय योजनाओं में आम लोगों की भागीदारी बढ़ाने के साथ ग्रामीणों को जल संरक्षण और कृषि गतिविधियों के प्रति जागरूक करना है।अभियान के दौरान जरूरतमंद लाभार्थियों को सहायता, बीज वितरण, जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों के साथ गोष्ठियां और जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके तहत उत्तराखंड जलवायु अनुकूल बारानी कृषि परियोजना, ग्रीन एजी (जैफ-6), प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-जलागम घटक 2.0 और स्प्रिंग एंड रिवर रिजुवनेशन अथॉरिटी (सारा) की गतिविधियां शामिल होंगी।पिथौरागढ़ और हरिद्वार में अभियान की शुरूआत हो चुकी है। पिथौरागढ़ में यक्षवती नदी क्षेत्र में नदी उत्सव आयोजित कर जनजागरूकता दिया दान और सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए।

ऋषिकेश के डॉ. सुनील दत्त थपलियाल को मिला उत्तराखंड गौरव रत्न पुरस्कार



वेब वार्ता। ऋषिकेश

श्री भरत मंदिर इंटर कॉलेज के शिक्षक एवं साहित्यकार डॉ. सुनील दत्त थपलियाल को शिक्षा, साहित्य एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए ह्यउत्तराखंड गौरव रत्न पुरस्कार 2024-25 से सम्मानित किया गया।

कोटद्वार में आयोजित समारोह में उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया।

इसी समारोह में मुनिकीरेती नगर पालिका अध्यक्ष नीलम बिजल्वाण को भी उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। उत्तराखंड डिस्कवर 24 चैनल की ओर से प्रदान किए जाने वाले इस पुरस्कार के तहत प्रदेश की विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं का चयन किया जाता है।डॉ. थपलियाल ने शिक्षण कार्य के साथ साहित्य, संस्कृति और समाज सेवा के क्षेत्र में भी विशिष्ट पहचान बनाई है। कोरोना महामारी के दौरान उन्होंने आवाज साहित्यिक संस्था के फेसबुक पेज और अन्य डिजिटल माध्यमों से साहित्यिक एवं बौद्धिक संवाद की पहल की।

इसके माध्यम से देश-विदेश के विद्वानों, साहित्यकारों और प्रबुद्धजनों को जोड़कर साहित्य, संस्कृति और सामाजिक विषयों पर सार्थक चचाएं आयोजित कीं। इसके अलावा वे कुशल मंच संचालक एवं उद्घोषक के रूप में भी जाने जाते हैं। उन्हें इससे पूर्व राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षक सम्मान, राष्ट्रीय गौरव सम्मान सहित कई प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा जा चुका है। डॉ. थपलियाल और नीलम बिजल्वाण को मिले इस सम्मान से ऋषिकेश और मुनिकीरेती क्षेत्र में खुशी की लहर है। शिक्षाविदों, साहित्यकारों और क्षेत्रवासियों ने दोनों को बधाई देते हुए इसे उत्तराखंड के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया।

मिशन मुस्कान से लौटे 60 लोगों के मोबाइल



वेब वार्ता। मुनिकीरेती

दीपावली के अवसर पर टिहरी पुलिस ने 60 परिवारों के चेहरों पर मुस्कान लौटाई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे के निर्देशन में पुलिस और सीआईयू की टीम ने ह्यमिशन मुस्कानह्न के तहत वर्ष 2026 में अब तक गुम हुए 60 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को सौंपे हैं।

बरामद मोबाइल की अनुमानित कीमत 16 लाख रुपये से अधिक बताई गई है। ये मोबाइल विभिन्न राज्यों से तकनीकी निगरानी और भारत सरकार के केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल की मदद से खोजे गए। मोबाइल फोन मिलने पर लोगों ने खुशी जताते हुए टिहरी पुलिस का आभार व्यक्त किया। कई लोगों को अपना खोया मोबाइल वापस मिलने की उम्मीद नहीं थी। पुलिस के अनुसार मोबाइल में सुरक्षित पारिवारिक तस्वीरें, जरूरी संपर्क, दस्तावेज और अन्य निजी जानकारियां भी लोगों के लिए महत्वपूर्ण थीं। पर्यटन के दौरान मोबाइल खोने वाले कुछ पर्यटक अपने गृह राज्यों को लौट चुके थे।

सोमवती अमावस्या पर हरिद्वार में प्रशासन का पहरा 12 जोन में बंटा मेला क्षेत्र

हरिद्वार। सोमवती अमावस्या पर गंगा स्नान के लिए उमड़ने वाली लाखों श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को संभालना जिला प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती होगी। इसे देखते हुए प्रशासन ने पूरे मेला क्षेत्र को 12 जोन और 40 सेक्टरों में बांटकर सुरक्षा और व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी अधिकारियों के हवाले कर दी है। हरकी पैड़ी, मनसा देवी, अपर रोड, खड़खड़ी, सप्तऋषि, रोड़ी बेलवाला से लेकर चंडी देवी और सिडकुल तक मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है।

9 नवंबर को होने वाले स्नान पर्व के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने जोनल, सेक्टर और आरक्षित मजिस्ट्रेटों की तैनाती के आदेश जारी कर दिए हैं। अधिकारियों की ड्यूटी 8 नवंबर की शाम चार बजे से स्नान पर्व की समाप्ति तक प्रभावी रहेगी। प्रशासन को आशंका है कि देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए पहुंचेंगे। ऐसे में भीड़ नियंत्रण के साथ यातायात, पार्किंग और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती जाएगी।

पुलिस ने 55.25 लाख के 250 मोबाइल बरामद कर लौटाए



वेब वार्ता। हल्द्वानी

नैनीताल पुलिस ने जुलाई से 4 नवंबर तक गुम हुए 250 मोबाइल फोन बरामद कर उनके स्वामियों को सौंपे। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत 55.25 लाख रुपये बताई गई है। मोबाइल वापस मिलने पर लोगों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने पुलिस का आभार जताया।

एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी के निर्देश पर मोबाइल रिकवरी टीम ने मोबाइल ऐप और सीईआईआर पोर्टल के जरिए गुम मोबाइलों की शिकायतों पर कार्रवाई शुरू की। एसपी हल्द्वानी हरबंस सिंह के मार्गदर्शन, सीओ ऑपरेशन रविकांत सेमवाल के पर्यवेक्षण और मोबाइल ऐप प्रभारी उपनिरीक्षक मीनू गौतम के नेतृत्व में टीम ने विभिन्न राज्यों में मोबाइलों की लोकेशन और आईएमईआई नंबर के आधार पर तलाश की। पुलिस ने उत्तर प्रदेश के लखनऊ, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर समेत पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, राजस्थान, दिल्ली और उत्तराखंड से मोबाइल बरामद किए। इनमें 58 ओप्पो, 45 वीवो, 40 सैमसंग, 23 रेडमी, 19 रियलमी और अन्य कंपनियों के फोन शामिल हैं। एसएसपी ने टीम को 2500 रुपये नकद पुरस्कार देने की घोषणा की।

सरकारी जमीनों के निजीकरण के विरोध में कांग्रेस का एचएमटी पर धरना

कुमाऊं के प्रवेश द्वार से ही शुरू हुई सरकारी संपत्तियों को निजी हाथों में सौंपने की तैयारी



वेब वार्ता। हल्द्वानी

सरकारी जमीनों और ऐतिहासिक संपत्तियों को निजी हाथों में सौंपने के विरोध में गुरुवार को महानगर कांग्रेस ने एचएमटी फैक्ट्री रानीबाग के गेट नंबर-दो पर धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेसियों ने 'हमारी भूमि, हमारा अधिकार' का नारा बुलंद करते हुए सरकार की नीतियों के खिलाफ आक्रोश जताया।विधायक सुमित हृदयेश ने कहा कि कुमाऊं के प्रवेश द्वार हल्द्वानी से ही सरकारी संपत्तियों को निजी हाथों में सौंपने की शुरूआत हो रही है। एचएमटी की 53 एकड़ जमीन पर उद्योग लगाने के बजाय होटल स्थापित करने की तैयारी है। इससे स्थानीय युवाओं के रोजगार के अवसर प्रभावित होंगे। उन्होंने रानीबाग, ज्योलीकोट, रातीघाट और रामगढ़ के निरीक्षण भवनों सहित अन्य संपत्तियों को निजी हाथों में देने की तैयारी पर भी सवाल उठाए। महानगर अध्यक्ष गोविंद सिंह बिष्ट और जिलाध्यक्ष राहुल छिमवाल ने कहा कि एचएमटी की जमीन पर उद्योग स्थापित किए जाएं और प्राग फार्म सहित सरकारी संपत्तियों का उपयोग जनहित में हो। कांग्रेस ने निजीकरण के खिलाफ आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी। धरने की अध्यक्षता गोविंद सिंह बिष्ट ने की।

मुकेश बोरा के नेतृत्व में लालकुआं दुग्ध संघ प्रदेश में अव्वल



वेब वार्ता। लालकुआं

- मंत्री सौरभ बहुगुणा ने सर्वश्रेष्ठ दुग्ध संघ का पुरस्कार देकर किया सम्मानित

दुग्ध उपार्जन और बेहतर कार्यप्रणाली के दम पर लालकुआं दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ ने प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए संघ को उत्तराखंड का सर्वश्रेष्ठ दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ घोषित किया गया है। इस उपलब्धि पर पशुपालन एवं दुग्ध विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा ने संघ के अध्यक्ष मुकेश बोरा को सम्मानित किया।ऊधमसिंह नगर के शक्तिफार्म में आयोजित पशुपालन चिंतन गोष्ठी एवं मेले में मंत्री ने मुकेश बोरा को पुरस्कार प्रदान किया। उत्तराखंड सहकारी डेरी फेडरेशन की ओर से जारी प्रमाणपत्र के अनुसार, 20 हजार लीटर से अधिक दैनिक प्रसंस्करण क्षमता वाले मैदानी क्षेत्र के दुग्ध संघों की श्रेणी में उपार्जन संबंधी गतिविधियों के आधार पर लालकुआं संघ का चयन किया गया।इस उपलब्धि को संघ की बेहतर प्रबंधन व्यवस्था, दुग्ध समितियों की सक्रियता और पशुपालकों की मेहनत का परिणाम माना जा रहा है।

किसानों की समस्याओं को लेकर गांव-गांव पहुंचेगी किसान कांग्रेस, 13 जिलों में चलेगा जनसंवाद अभियान

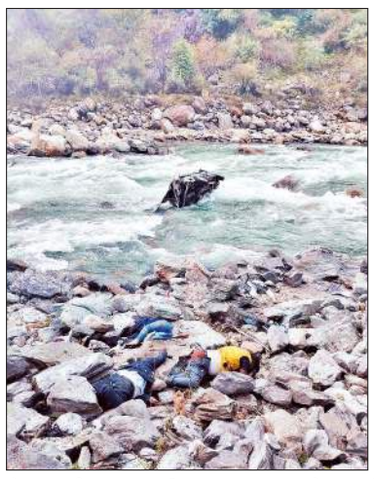


वेब वार्ता। हरिद्वार

किसान कांग्रेस ने प्रदेशभर में संगठन को मजबूत करने और किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने की कवायद तेज कर दी है। किसान कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी शीतल मान के हरिद्वार पहुंचने पर प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष इरशाद अली के नेतृत्व में पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया।

इसके बाद कनखल के बैरागी कैंप में बैठक आयोजित की गई। बैठक में किसानों की समस्याओं, उनके अधिकारों और आगामी चुनाव की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।इस दौरान नवनियुक्त जिला अध्यक्ष महावीर सिंह का फूलमालाओं से स्वागत कर उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी गई। प्रदेश प्रभारी शीतल मान ने कहा कि हरिद्वार की पावन धरती पर किसानों की सेवा का अवसर मिलना उनके लिए सौभाग्य की बात है। यह उनका पहला दौरा है और इस दौरान किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया है। इन समस्याओं को पार्टी के घोषणा पत्र में शामिल करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसान कांग्रेस हमेशा किसानों के हक की लड़ाई लड़ती रही है। उत्तराखंड के सभी 13 जिलों में किसान जनसंवाद यात्रा निकाली जाएगी। इसके माध्यम से गांवों की चौपालों तक पहुंचकर किसानों से सीधे संवाद किया जाएगा। जिन किसानों तक संगठन की पहुंच नहीं है, उन्हें जोड़कर उनकी समस्याएं सुनी जाएंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह अभियान भाषणबाजी के बजाय किसानों की बात सुनने और उनकी वास्तविक समस्याओं को समझने पर केंद्रित रहेगा। उन्होंने बताया कि प्रदेशभर में महिला किसान पंजीकरण अभियान भी चलाया जा रहा है।इसके माध्यम से महिला किसानों को संगठन से जोड़कर उनके अधिकारों और सम्मान की लड़ाई को मजबूती दी जाएगी।

गंगनानी में इनोवा नदी में समाई चार की मौत, लापता की तलाश जारी



वेब वार्ता। उत्तरकाशी

गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर गंगनानी धर्मकुंड के समीप गुरुवार को बड़ा सड़क हादसा हो गया। डबरानी की ओर जा रही इनोवा कार अनियंत्रित होकर नदी में जा गिरी। हादसे में चार लोगों के शव बरामद किए गए हैं। वाहन में सात लोगों के सवार होने की सूचना है।

अन्य यात्रियों की तलाश में रेस्क्यू अभियान जारी है।जानकारी के अनुसार, गंगनानी धर्मकुंड से करीब 20 मीटर आगे यह हादसा हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस, एसडीआरएफ, जल पुलिस और 108 आपातकालीन सेवा की टीमें मौके पर पहुंचीं। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य के निर्देश पर राहत एवं बचाव कार्य तेज कर दिया गया। नदी के तेज बहाव के कारण रेस्क्यू टीमों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। गोताखोर नदी में संभावित स्थानों पर तलाश कर रहे हैं। हादसे में घायल व्यक्ति को भी उपचार के लिए पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रशासन मृतकों की शिनाख्त और वाहन में सवार अन्य लोगों की जानकारी जुटा रहा है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

ग्रामीणों को मिलेगी एंबुलेंस की सुविधा

कुंभ से पहले गांवों के चौक-चौराहों का होगा सौंदर्यीकरण

वेब वार्ता। हरिद्वार

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य और पेयजल सुविधाओं को मजबूत करने के लिए जिला पंचायत ने अहम फैसले लिए हैं। अब हर ब्लॉक में एक-एक एंबुलेंस चलाई जाएगी, जिससे मरीजों और दुर्घटना में घायल लोगों को अस्पताल पहुंचाने में सहूलियत मिलेगी। इसके साथ ही गर्मी से पहले जरूरत वाले क्षेत्रों में हैंडपंप लगाए जाएंगे।

कुंभ मेले से पहले जिला पंचायत क्षेत्र के चौक-चौराहों का सौंदर्यीकरण भी कराया जाएगा। बृहस्पतिवार को देवपुरा स्थित जिला पंचायत सभागार में हुई बोर्ड बैठक में इन प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में सदस्यों ने ग्रामीण क्षेत्रों में हैंडपंप नहीं होने से पेयजल संकट का मुद्दा उठाया। उन्होंने जरूरत वाले स्थानों पर नए हैंडपंप लगाने की मांग की। इस पर गर्मी शुरू होने से पहले हैंडपंप लगाने का प्रस्ताव पारित किया गया।



वहीं, प्रत्येक ब्लॉक में एक-एक एंबुलेंस संचालित करने पर भी सहमति बनी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाने के साथ ही दुर्घटनाओं में घायलों को भी त्वरित चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी। बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिला पंचायत अध्यक्ष राजेंद्र सिंह उर्फ किरण चौधरी ने कहा कि कुंभ मेले में देश-विदेश से श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में जिला पंचायत क्षेत्र के चौक-चौराहों का सौंदर्यीकरण कराया जाना जरूरी है, ताकि श्रद्धालुओं को बेहतर माहौल मिल सके। उन्होंने कहा कि गर्मी से पहले जरूरत वाले क्षेत्रों में हैंडपंप लगाए जाएंगे। हर ब्लॉक में एंबुलेंस की सुविधा शुरू होने से ग्रामीणों को आपात स्थिति में बड़ी राहत मिलेगी। बैठक का संचालन अपर मुख्य अधिकारी महेश कुमार ने किया। इस दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित चौहान, राजेंद्र चौधरी, अरविंद राठी, दर्शना सिंह और अंशुल चौधरी सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

पुलिस महारथी और फॉरेंसिक विभाग सारथी बनकर हर व्यक्ति को दिलाएं न्यायः मुख्यमंत्री

वेब वार्ता, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (UPPSC) द्वारा नवचयनित 28 वैज्ञानिक (फॉरेंसिक) अधिकारियों को नियुक्ति-पत्र वितरित किए। 5 कालिदास मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की न्याय व्यवस्था में तारीख-दर-तारीख की परंपरा को बंद कर आम आदमी को समय पर न्याय दिलाने के लिए फॉरेंसिक अधिकारियों को एक सारथी की भूमिका निभानी होगी। उन्होंने नवचयनित अधिकारियों को नसीहत देते हुए कहा कि जब आपके चयन में किसी सिफारिश और लेनदेन की आवश्यकता नहीं पड़ी, तो अब आपकी जिम्मेदारी है कि आप भी पूरी ईमानदारी, समयबद्धता और शुद्धता के साथ साक्ष्य जुटाकर पीड़ितों को न्याय दिलाएं।





मुख्यमंत्री ने न्याय व्यवस्था में साक्ष्यों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि हमारा ध्येय वाक्य 'सत्यमेव जयते' है। लेकिन न्याय के मंदिर में सत्य की विजय तभी होगी जब आपके पास उस प्रकार के साक्ष्य और प्रमाण होंगे। उन्होंने महर्षि गौतम के न्याय दर्शन का उल्लेख करते हुए प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान और शब्द प्रमाण की चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हजारों वर्ष पहले महर्षि गौतम ने कहा था 'यत्र यत्र धूम्रः तत्र तत्र अग्निः' यानि जहां धुआं है, वहां आग है। आज हमारे फॉरेंसिक अधिकारी इसी अनुमान और वैज्ञानिक विश्लेषण के आधार पर खून, बाल या उंगलियों के निशान जैसे साक्ष्य जुटाकर वास्तविक अपराधी तक पहुँचते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जुलाई 2024 में देश ने गुलामी के प्रतीक ब्रिटिश कानूनों को समाप्त कर तीन नए भारतीय कानून लागू किए हैं। इन नए कानूनों के तहत सात वर्ष से अधिक की सजा वाले अपराधों में फॉरेंसिक एविडेंस अनिवार्य कर दिया गया है।

इसके लिए प्रदेश को 500 ऐसे प्रशिक्षित अधिकारियों की आवश्यकता थी, जो घटना स्थल पर पहुँचकर साक्ष्य जुटा सकें। मुझे प्रसन्नता है कि नए कानून लागू होने से पहले ही उत्तर प्रदेश शासन ने फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट की स्थापना कर 600 से अधिक ऐसे पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षित कर लिया है।

मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश स्टेट फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट के निर्माण की कहानी साझा करते हुए बताया कि 2017 से पहले लखनऊ एयरपोर्ट के पास स्थित इस बेसकीमती जमीन पर एक भू-माफिया ने कब्जा कर लिया था। तत्कालीन डीजीपी ने रिटायरमेंट से ठीक एक दिन पहले इसकी जानकारी दी, जिसके बाद सरकार ने कार्रवाई कर उस जमीन को कब्जामुक्त कराया और वहां आज यह अत्याधुनिक इंस्टीट्यूट खड़ा है।

आज यह इंस्टीट्यूट एआई, रोबोटिक्स, ड्रोन टेक्नोलॉजी और क्वांटम फॉरेंसिक का महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है। पूर्ववर्ती सरकारों पर प्रहार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश अपनी पहचान के लिए मोहताज था।

प्रदेश में अराजकता, दंगे और कर्फ्यू नियति बन चुके थे और अपराधी बेखौफ घूमते थे क्योंकि उन्हें मालूम था कि कानून उन तक नहीं पहुँच सकता। अकर्मण्यता और अराजकता के उस दौर ने प्रदेश को 'बीमारू राज्य' बना दिया था। आज वही उत्तर प्रदेश देश की टॉप थ्री अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है।

पिछले साढ़े नौ वर्षों में हमने 2 लाख 30 हजार से अधिक पुलिसकर्मियों की पारदर्शी भर्ती कर यूपी पुलिस को दुनिया की सबसे बड़ी सिविल पुलिस के रूप में स्थापित किया है।

मुख्यमंत्री ने रोजगार के मोर्चे पर विरोधियों को जवाब देते हुए कहा कि जो लोग कहते थे कि क्या यूपी में नियुक्तियां होंगी, उन्हें गिनते रहना चाहिए।

पिछले साढ़े नौ वर्षों में हमने साढ़े नौ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी है। यह नियुक्ति पत्र वितरण उसी श्रृंखला की कड़ी है और हम अगले छह महीने में एक लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र देने जा रहे हैं। कल भी यूपी पुलिस का एक बड़ा नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है।

कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने नवचयनित अधिकारियों से ईमानदारी से कार्य करने की अपील करते हुए कहा कि सरकार आपको हर सुविधा देने के लिए तैयार है। यूपी पुलिस की उपलब्धियों के कारण आज देश-दुनिया योगी सरकार के लॉ एंड ऑर्डर की तारीफ करती है।

पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने कहा कि 2017 में प्रदेश में केवल 4 विधि विज्ञान प्रयोगशालाएं थीं, जो आज बढ़कर 12 हो गई हैं और 3 अन्य प्रयोगशालाएं जल्द शुरू होने वाली हैं। प्रदेश के सभी 75 जनपदों के लिए 75 अतिरिक्त मोबाइल फॉरेंसिक वैन उपलब्ध कराई गई हैं और पिछले पांच वर्षों में 51 करोड़ रुपये के उपकरण खरीदे गए हैं।

मुख्यमंत्री ने डॉ. गरिमा सिंह, डॉ. कुमुदिनी बालागौतम, पवन कुमार प्रजापति, डॉ. कपिल वर्मा, डॉ. प्रवीण कुमार तिवारी, रवि गुप्ता, शशांक शेखर तिवारी और डॉ. अतुल कुमार को अपने हाथों से नियुक्ति पत्र सौंपे। कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने मुख्यमंत्री और मंत्री सुरेश खन्ना को स्मृति चिह्न और पौधा भेंट कर स्वागत किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मिशन रोजगार और अगले छह महीने में एक लाख नियुक्ति पत्र वितरित करने के महाभियान के तहत यह छठा नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम है। अब 28 वैज्ञानिक अधिकारियों को नियुक्ति पत्र मिलने के साथ निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से सरकारी सेवा से जुड़ने वाले युवाओं की संख्या बढ़कर 7,170 हो गई है।

तेज रफ्तार ट्रक ने महिला को कुचला, मौके पर मौत; परिवार में मचा कोहराम

लक्ष्मीकांत पाठक, हरदोई। बघौली-प्रतापनगर मार्ग पर गुरुवार दोपहर तेज रफ्तार ट्रक ने एक महिला को कुचल दिया। हादसे में महिला की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। महिला की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार, बघौली थाना क्षेत्र में रेलवे क्रॉसिंग से आगे बैंक ऑफ इंडिया के सामने यह हादसा हुआ। करीब 50 वर्षीय रामकली पत्नी सोनेलाल, निवासी ग्राम बंथरा अटवा कुर्सठ, थाना माधौगंज, तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आ गई। ट्रक की टक्कर इतनी भीषण थी कि महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें एंबुलेंस के जरिए अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया।

हादसे के बाद बघौली-प्रतापनगर मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात बाधित हो गया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दुर्घटना में शामिल ट्रक संख्या जीजे 03 बीडब्ल्यू 6480 को कब्जे में लेकर थाने पहुंचा दिया। इसके बाद सड़क से जाम हटवाकर यातायात सुचारु कराया गया। पुलिस ने मृतका के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, घटनास्थल पर शांति व्यवस्था कायम है और यातायात सामान्य रूप से संचालित हो रहा है।

यूपी बोर्ड की उत्तर पुस्तिकाओं में दिखेंगे नए रंग

मेरठ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में नकलविहीन और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में लगातार कदम उठाए जा रहे हैं। परीक्षा प्रक्रिया में तकनीक के इस्तेमाल, निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने पर जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में यूपी बोर्ड ने वर्ष 2027 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का स्वरूप बदलने का निर्णय लिया है। अब परीक्षार्थियों को अलग-अलग कवर वाली कॉपियों के बजाय एक मुख्य कवर वाली उत्तर पुस्तिकाएं मिलेंगी।

सीडीओ ने अभियान तेज करने के दिए निर्देश

हरदोई में 60 बाल श्रमिक कराए गए मुक्त, 16 का शैक्षिक पुनर्वासन

लक्ष्मीकांत पाठक, हरदोई। जिले में बाल एवं किशोर श्रम के उन्मूलन को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत सात माह में 60 बाल एवं किशोर श्रमिकों को विभिन्न प्रतिष्ठानों से अवमुक्त कराया गया है। इनमें 52 बालक और आठ बालिकाएं शामिल हैं।



वहीं, 16 बच्चों का शैक्षिक पुनर्वासन भी कराया जा चुका है। मुख्य विकास अधिकारी नेहा ब्याडवाल ने बाल श्रम के खिलाफ अभियान में तेजी लाने और मुक्त कराए गए बच्चों के समुचित पुनर्वासन के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को विकास भवन स्थित स्वर्ण जयंती सभागार में मुख्य विकास अधिकारी नेहा ब्याडवाल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बाल/बंधुआ श्रम उन्मूलन समिति एवं जिला स्तरीय श्रम बन्धु समिति की अलग-अलग बैठकें आयोजित की गईं।

42 प्रतिष्ठानों के निरीक्षण में मिले 60 बाल श्रमिक जिला स्तरीय बाल/बंधुआ श्रम उन्मूलन समिति की बैठक में बाल एवं किशोर श्रम के उन्मूलन, बच्चों की अवमुक्ति तथा उनके शैक्षिक एवं आर्थिक पुनर्वासन की समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में एक अप्रैल से 31 अक्टूबर तक 42 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया।

इस दौरान कुल 60 बाल एवं किशोर श्रमिकों को चिन्हित कर अवमुक्त कराया गया। इनमें 11 बच्चे खतरनाक और 49 गैर-खतरनाक प्रक्रियाओं में नियोजित पाए गए।

इन बच्चों में 16 का शैक्षिक पुनर्वासन कराया गया है। सीडीओ ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाल श्रम के विरुद्ध नियमित अभियान चलाकर बच्चों को चिन्हित एवं अवमुक्त कराया जाए। साथ ही उनके परिवारों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर बच्चों का प्रभावी शैक्षिक एवं आर्थिक पुनर्वासन सुनिश्चित किया जाए।

16.11 करोड़ के लक्ष्य के सापेक्ष 7.02 करोड़ श्रम उपकर जमा दूसरी बैठक में जिला स्तरीय श्रम बन्धु समिति के कार्यों की समीक्षा की गई। इसमें औद्योगिक शांति बनाए रखने, सेवायोजकों एवं श्रमिकों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध स्थापित करने तथा श्रमिकों के हित में संचालित कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति पर चर्चा हुई।

श्रम उपकर संग्रहण की समीक्षा में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए निर्धारित 16.11 करोड़ रुपये के लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 7.02 करोड़ रुपये जमा कराए जा चुके हैं।

वहीं, निर्माण श्रमिकों के कल्याणार्थ संचालित योजनाओं के तहत प्राप्त 260 आवेदन पत्रों का निर्धारित समय-सीमा में निस्तारण किया गया है। सीडीओ ने श्रमिकों के अधिकारों का संरक्षण, श्रम कानूनों का प्रभावी अनुपालन तथा निर्माण श्रमिकों के पंजीकरण और नवीनीकरण की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पात्र श्रमिकों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय से उपलब्ध कराया जाए।

इसके लिए संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें, जिससे जनपद में औद्योगिक शांति के साथ श्रमिकों का कल्याण भी सुनिश्चित हो सके। बैठक में उप जिलाधिकारी अंकित तिवारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रभात कुमार, परिवहन विभाग के अशोक कुमार मौर्य, अधिशासी अभियंता (आरआईडी), सहायक श्रम आयुक्त सत्यवीर सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं समिति के सदस्य मौजूद रहे।

एस एसबी एवं उत्तर प्रदेश पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 32.17 ग्राम संदिग्ध स्मैक बरामद, एक महिला अभिरक्षा में

शादाब हुसैन, बहराइच। कमांडेंट एसबी के कैलाश चंद रमोला के दिशा-निर्देशन में, सशस्त्र सीमा बल की सीमा चौकी, बलाइगांव एवं उत्तर प्रदेश पुलिस की संयुक्त टीम ने प्राप्त विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर ग्राम सहोनी, पोस्ट बलाइगांव, थाना मोतीपुर, जनपद बहराइच में संयुक्त कार्रवाई की । कार्रवाई के दौरान एक महिला के कब्जे से 32.17 ग्राम संदिग्ध स्मैक (कंटेनर सहित), ₹8,910/- भारतीय मुद्रा, NPR 45/- नेपाली मुद्रा, एक आईटेल ACE कीपैड मोबाइल फोन तथा एक इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन बरामद की गई।



यह संयुक्त कार्रवाई निरीक्षक (सामान्य) सुरेन्द्र पाल के नेतृत्व में एस आठ अन्य कार्मिकों तथा नारकोटिक डिटेक्टिव डॉग मिचू की सहायता से की गई। महिला की व्यक्तिगत तलाशी महिला पुलिस कर्मियों द्वारा आवश्यक कानूनी प्रावधानों एवं गरिमा का ध्यान रखते हुए की गई । प्रारंभिक पूछताछ के दौरान अभिरक्षा में ली गई महिला ने कथित तौर पर मादक पदार्थ की खरीद एवं स्थानीय स्तर पर आगे बिक्री के संबंध में जानकारी दी । मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई हेतु अभिरक्षा में ली गई महिला तथा बरामद सामग्री को थाना मोतीपुर, जनपद बहराइच पुलिस को सुपुर्द कर दिया गया है। एस.एसबी द्वारा स्थानीय पुलिस एवं अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर इस प्रकार की संयुक्त कार्रवाई आगे भी जारी रखी जाएगी।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने गोरखनाथ मंदिर में की पूजा-अर्चना

वेब वार्ता, गोरखपुर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार गोरखपुर आए नितिन नबीन ने गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर पहुंचकर शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया। पूरे विश्व में प्रसिद्ध नाथपंथ की इस पीठ पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भावपूर्ण स्वागत किया। गोरखनाथ मंदिर आगमन पर नितिन नबीन शिवावतार गुरु गोरखनाथ की प्रतिमा के समक्ष पहुंचे और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धावनत होकर दर्शन-पूजन किया। उनके साथ गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व अन्य कई जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। दर्शन-पूजन के बाद गोरक्षपीठाधीश्वर ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को मंदिर परिसर का भ्रमण कराया। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर और नाथपंथ से जुड़ी जानकारियां राष्ट्रीय अध्यक्ष को दीं। साथ ही राष्ट्रीय अध्यक्ष को अंगवस्त्र, प्रसाद और गुरु गोरखनाथ की प्रतिमा भेंटकर अभिनंदन किया। गोरखनाथ मंदिर में प्रसाद और जलपान ग्रहण करने के बाद नितिन नबीन पार्टी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रवाना हो गए। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पकंज चौधरी, केंद्रीय राज्यमंत्री ग्रामीण विकास कमलेश पासवान, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े, प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह, प्रदेश सरकार के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, सांसद रविकिशन शुक्ल, विजय दूबे, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष कामेश्वर सिंह, विधायक विपिन सिंह आदि भी उपस्थित रहे।



मानसिक रोगियों के अधिकारों और नशे के दुष्प्रभावों के प्रति किया जागरूक

लक्ष्मीकांत पाठक, हरदोई। मानसिक रोग एवं बौद्धिक अक्षमताओं से ग्रस्त व्यक्तियों के कानूनी अधिकारों तथा नशीले पदार्थों के दुरुपयोग और उनसे बचाव को लेकर गुरुवार को जिला महिला अस्पताल में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मानसिक रूप से अस्वस्थ एवं बौद्धिक अक्षमता से प्रभावित व्यक्तियों के अधिकारों, उनके प्रति सामाजिक व्यवहार और नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देकर जागरूक किया गया।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई के अध्यक्ष एवं जनपद न्यायाधीश रीता कौशिक तथा सिविल जज सीनियर डिवीजन एवं प्रभारी सचिव स्मिता गोस्वामी के निर्देशन में शिविर आयोजित हुआ। तहसील विधिक सेवा समिति सदर के सचिव एवं तहसीलदार सचिंद्र कुमार शुक्ला के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा अधीक्षक सुबोध सिंह ने की।

इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने मानसिक रोग एवं बौद्धिक अक्षमताओं से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी दी।



उन्होंने कहा कि मानसिक एवं शारीरिक अक्षमताओं से प्रभावित व्यक्तियों को भी समाज में सम्मान और समानता के साथ जीवन जीने का पूरा अधिकार है। उनके साथ किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए।

अस्पताल की एचओडी मधुलिका शुक्ला ने बताया कि मानसिक रोग एवं बौद्धिक अक्षमताओं से ग्रस्त व्यक्तियों को गरिमा के साथ जीवन जीने, समुदाय में रहने, समान अवसर प्राप्त करने, उचित स्वास्थ्य सेवाएं हासिल करने और निःशुल्क कानूनी सहायता पाने का अधिकार है। ये अधिकार उन्हें समाज की मुख्यधारा में सम्मानजनक स्थान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं।

लीगल एड क्लीनिक के श्यामू सिंह ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 21 एवं 39ए तथा दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए कहा कि मानसिक रोग या बौद्धिक अक्षमता किसी व्यक्ति को उसके मानवीय एवं संवैधानिक अधिकारों से वंचित नहीं करती। ऐसे व्यक्ति भी समाज के अभिन्न अंग हैं और उन्हें समान अधिकार एवं सम्मान मिलना चाहिए।

पीएलवी कीर्ति कश्यप ने नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि शराब, तंबाकू और अन्य मादक पदार्थों का अनुचित अथवा अत्यधिक सेवन शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। उन्होंने नशे से दूर रहने और इसके दुष्प्रभावों के प्रति परिवार एवं समाज में जागरूकता फैलाने की अपील की। शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से उपलब्ध कराई जा रही निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी देते हुए टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम में अस्पताल का स्टाफ एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

अपना परिवार बचाने का अभियान चला रहे कांग्रेस-सपा : मुख्यमंत्री योगी

मुख्यमंत्री ने भाजपा द्वारा आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा को किया संबोधित

वेब वार्ता, गाजियाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि इनका अभियान लोकतंत्र बचाने का नहीं, बल्कि अपना परिवार बचाने की कवायद है। दोनों दल परिवारवादी राजनीति के प्रतीक बन चुके हैं।

एक ही परिवार के लोग अध्यक्ष बनते हैं और उसी परिवार को ढोना इनकी नियति हो गई है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को अविश्वसनीय बनाने का प्रयास कर रही है।

चुनाव जीतने पर अपना पुरुषार्थ बताने वाले कांग्रेस नेता हारते ही ईवीएम, निर्वाचन आयोग और एसआईआर को दोष देने लगते हैं। अपनी नाकामियों पर आत्ममंथन करने के बजाय संवैधानिक संस्थाओं को कठघरे में खड़ा करना इनकी आदत बन गई है।

मुख्यमंत्री योगी गाजियाबाद में बाबा दूधेश्वरनाथ महादेव की पावन धरती पर आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के आह्वान पर कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की अराजकता के खिलाफ देशव्यापी जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है। पांच नवंबर को देश के 100 स्थानों पर पदयात्राएं पूरी हो रही हैं। दीपावली की तैयारियों के बीच बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी लोकतंत्र के प्रति उनकी जागरूकता को दर्शाती है।

राहुल की तुलना बार-बार फेल होने वाले छात्र से

मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए उनकी तुलना ऐसे छात्र से की, जो पढ़ाई नहीं करता और हर बार परीक्षा में फेल होने पर नया बहाना बना देता है। पहली बार पिता से कहता है कि मास्टर ने उसकी कॉपी बदल दी। दूसरी बार प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम से बाहर आने की बात करता है। तीसरी बार पेन की स्याही खत्म होने और चौथी बार सामने बैठे छात्र के तेज लिखने से ध्यान भटकने का बहाना बनाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के युवराज की भी यही स्थिति हो गई है। जनता का विश्वास खोने के बावजूद अपनी गलतियां स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं।

आपातकाल लगाने वाली कांग्रेस दे रही लोकतंत्र पर उपदेश

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1975 में देश पर आपातकाल थोपने वाली कांग्रेस आज लोकतंत्र का पाठ पढ़ा रही है। संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां करके स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की विरासत को अपमानित किया जा रहा है।

कांग्रेस ने घोटालों से गंवाया जनता का भरोसा

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में कॉमनवेल्थ, 2जी, कोयला और उर्वरक जैसे घोटाले सामने आए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने लाखों करोड़ रुपये के घोटाले किए और देश की सुरक्षा से समझौता किया। भ्रष्टाचार और अराजकता से परेशान जनता ने वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी को देश की बागडोर सौंपी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को अपने निकम्मेपन का ठीकरा भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी पर फोड़ने के बजाय यह स्वीकार करना चाहिए कि पांच दशक में जो काम वह नहीं कर सकी, उन्हें मोदी सरकार ने पूरा करके दिखाया।

जनता ने नकारा तो निर्वाचन आयोग पर उठाने लगे सवाल

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने वर्ष 1985 के बाद कांग्रेस को सत्ता का जनादेश नहीं दिया। तमिलनाडु में 1967, पश्चिम बंगाल में 1977 के बाद कांग्रेस सत्ता में नहीं लौटी। गुजरात, ओडिशा, त्रिपुरा और अन्य राज्यों में भी वह लंबे समय से सत्ता से बाहर है।

इन राज्यों में कांग्रेस की पराजय एसआईआर से पहले हुई थी। ऐसे में अपनी हार के लिए निर्वाचन आयोग को जिम्मेदार ठहराना हास्यास्पद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र ने प्रत्येक नागरिक को समान मताधिकार दिया है।

इस अधिकार की रक्षा के लिए संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान आवश्यक है। भाजपा जनादेश का सम्मान करती है और अपनी कमियों का दोष संस्थाओं पर नहीं मढ़ती। उन्होंने उपस्थित लोगों से 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' का नारा लगवाकर पदयात्रा में भागीदारी का आह्वान किया।

23 साल का शानदार सफर खत्म

रोनाल्डो ने की संन्यास की घोषणा

नई दिल्ली,एजेंसी

पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पुर्तगाल के कोच जॉर्ज जेसुस के साथ हुए विवाद के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले लिया है। 41 वर्षीय रोनाल्डो 146 गोल के साथ पुर्तगाल के सर्वकालिक शीर्ष गोल करने वाले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 232 मैचों में देश का प्रतिनिधित्व किया और 2016 में यूरोपीय चैंपियनशिप का खिताब भी जिताया था।

कोच के साथ हुआ विवाद

पूरा विवाद पिछले अंतरराष्ट्रीय ब्रेक के दौरान सामने आया, जब ओस्लो में नॉर्वे के खिलाफ नेशंस लीग के मैच में पुर्तगाल ने 2-1 से जीत दर्ज की, लेकिन रोनाल्डो को इस मुकाबले में खेलने का मौका नहीं मिला। मैच के अंतिम सीटी बजते ही वह सीधे ड्रेसिंग रूम की ओर चले गए और मैच के बाद मैदान पर जाकर सफर करके आए यात्रा करने वाले और उत्साहवर्धन करने वाले प्रशंसकों का अभिवादन करने के लिए अपने साथियों के साथ नहीं जुड़े। इस घटना के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया और जुर्माना भी लगाया गया। इसके बाद एक लंबे बयान में रोनाल्डो ने अपने कैंप छोड़ने के कारणों का खुलासा किया और कोच जॉर्ज जेसुस पर वादे तोड़ने का गंभीर आरोप लगाया। रोनाल्डो का दावा था कि उन्हें सब्स्टिट्यूट के तौर पर मैदान पर उतारने का आश्वासन दिया गया था, जिसके बाद उन्होंने वॉर्म-अप भी शुरू कर दिया था, लेकिन कोच ने आखिरी वक्त पर फैसला बदल दिया। इसी तीखे मनमुटाव के चलते उन्होंने यह कदम उठाया है।

सोशल मीडिया पर वीडियो साझा कर की पुष्टि

पांच बार के बैलन डी'ऑर विजेता क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कहने के फैसले की पुष्टि की। रोनाल्डो ने पुर्तगाल को यूरो 2016 में खिताबी जीत दिलाई और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सर्वकालिक सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी तथा सबसे अधिक मैच खेलने वाले खिलाड़ी के रूप में अपना सफर समाप्त किया, जिसमें उन्होंने 234 मैचों में 146 गोल दागे।

'गोल, रिकॉर्ड और ट्रॉफियां नहीं, मुझे लोग याद आते हैं'

रोनाल्डो ने कहा राष्ट्रीय टीम से विदाई का फैसला लेना उनके लिए आसान नहीं था। अगस्त 2003 में शुरू हुआ उनका अंतरराष्ट्रीय सफर उनकी जिंदगी बदलने वाला साबित हुआ। उन्होंने कहा, यह फैसला लेना आसान नहीं था, क्योंकि कुछ फैसले सिर्फ दिमाग से नहीं लिए जाते, उनमें दिल की आवाज भी शामिल होती है। अगस्त 2003 में शुरू हुआ मेरा सफर, जिसने मेरी जिंदगी हमेशा के लिए बदल दी, अब खत्म हो गया है। जब मैं राष्ट्रीय टीम के साथ बिताए पलों को याद करता हूं तो मुझे सिर्फ मैच, गोल, रिकॉर्ड या ट्रॉफियां नजर नहीं आतीं। मुझे लोग याद आते हैं। मुझे विदेशों में रहने वाले पुर्तगाली लोग याद आते हैं, जिन्हें 90 मिनट के खेल के दौरान ऐसा महसूस होता था जैसे वे अपने घर के थोड़ा और करीब आ गए हों। मुझे पुर्तगाल के वे लाखों लोग याद आते हैं, जिनसे मैं कभी मिला भी नहीं, लेकिन वे मेरी जिंदगी का हिस्सा बन गए।



भावुक कर देने वाले वीडियो में क्या बोले रोनाल्डो?

41 वर्षीय रोनाल्डो ने घोषणा की है कि अब समय आ गया है कि वह नंबर 7 की जर्सी वापस सौंप दें। पुर्तगाल के लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने वीडियो में कहा, पुर्तगाल के लोगों के लिए। वह दिन आ गया है जब मैं अपनी राष्ट्रीय टीम की नंबर 7 जर्सी वापस सौंप रहा हूं। मुझे कभी ऐसा महसूस नहीं हुआ कि यह सिर्फ मेरी थी। लेकिन 23 साल तक, इसे पहनने, इसकी रक्षा करने और दुनिया भर के स्टेडियमों में इसे अपने साथ ले जाने का सौभाग्य और जिम्मेदारी मेरे पास रही।

मैंने हमेशा अपनी सीमाओं से आगे बढ़कर प्रदर्शन करने की कोशिश की

पुर्तगाल के इस दिग्गज खिलाड़ी ने कहा कि राष्ट्रीय टीम के लिए खेलते हुए उन्होंने हमेशा खुद से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रखी। उनका लक्ष्य टीम को जीत दिलाने के साथ इतिहास रचना भी रहा। रोनाल्डो ने कहा, राष्ट्रीय टीम के साथ अपने पूरे करियर में मैंने हमेशा अपनी सीमाओं से आगे बढ़कर प्रदर्शन करने की कोशिश की। मैं जीतना चाहता था, बेहतर बनना चाहता था और इतिहास रचना चाहता था। मैंने हमेशा खुद से सबसे ज्यादा उम्मीद रखी। मैं हमेशा कुछ और हासिल करना चाहता था। मुझे भरोसा था कि हम और आगे जा सकते हैं। मैंने इस जर्सी के लिए अपना सबकुछ दे दिया। कुछ जीत ऐसी थीं, जिन्हें मैं जिंदगीभर नहीं भूल सकता। वहीं कुछ हार ऐसी भी थीं, जिन्हें याद करने पर आज भी दर्द होता है।

गलतियां हुईं, तकलीफें झेलीं, लेकिन कभी हार नहीं मानी

रोनाल्डो ने अपने विदाई संदेश में मुश्किल दौर और उन पलों का भी जिक्र किया, जब वह प्रशंसकों की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके। उन्होंने कहा कि तमाम चुनौतियों के बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी और पुर्तगाल के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की। उन्होंने कहा, मुझसे गलतियां भी हुईं, मैंने तकलीफें भी झेलीं। कई बार ऐसा भी हुआ, जब मैं पुर्तगाल के लोगों को वह खुशी नहीं दे पाया, जिसकी उन्हें मुझसे उम्मीद थी। लेकिन मैंने कभी हार नहीं मानी। आज राष्ट्रीय टीम के साथ मैदान पर मेरा सफर खत्म हो रहा है। मैं सिर ऊंचा करके जा रहा हूं। मुझे अपने इस सफर पर गर्व है और इस बात का सुकून भी है कि मैंने पुर्तगाल के लिए अपना सबकुछ दिया।

विमेंस वनडे वर्ल्ड कप की जीत ने देश-दुनिया में हमें घर-घर में पहचान दिलाई : मंधाना

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय कप्तान स्मृति मंधाना के मुताबिक घरेलू मैदान पर विमेंस वर्ल्ड कप 2025 जीतने के बाद सबसे बड़ा बदलाव यह आया है कि अब महिला क्रिकेट को काफी सम्मान मिलने लगा है, और खिलाड़ी देश भर में जानी-पहचानी हस्तियां बन गई हैं।

स्मृति ने कहा, एक तरह से देखा जाए तो बहुत कुछ नहीं बदला है, लेकिन वर्ल्ड कप के बाद पिछले एक साल में महिला क्रिकेट को जो सम्मान मिला है और लोगों की इसमें जो गहरी दिलचस्पी देखने को मिल रही है, वह मेरे लिए वाकई एक सुखद बदलाव है। सभी खिलाड़ियों का घर-घर में जाना-पहचाना नाम बन जाना, सच में बहुत अच्छा



लगता है। नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए फाइनल मैच को याद करते हुए, स्मृति ने बताया कि कैसे बारिश के बावजूद फैंस ने होटल के बाहर आकर टीम को विदाई दी थी।

उन्होंने कहा, यह एक बहुत ही शानदार नजारा था। बारिश हो रही थी, फिर भी होटल के बाहर हमारी बस के पास करीब 1,000 लोग हमें विदा करने के लिए मौजूद थे। यह हमारे लिए बहुत अच्छा अनुभव था और इससे हमें काफी सकारात्मक ऊर्जा मिली। बारिश में भीगते हुए भी लोग वहां खड़े थे और हमें अपनी शुभकामनाएं दे रहे थे। फाइनल मैच में 87 रन की पारी खेलने के अलावा 2 विकेट हासिल करने वालीं शेफाली वर्मा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था, उन्होंने स्मृति के साथ अपनी ओपनिंग साझेदारी के बारे में बात की। शेफाली ने बताया कि अब वे दोनों एक-दूसरे को इतनी अच्छी तरह समझने लगी हैं कि उन्हें बातचीत करने के लिए शब्दों की भी शायद ही कभी जरूरत पड़ती है।



सैफ चैंपियनशिप : भारत ने जीत के साथ की शुरुआत, पाकिस्तान को 3-2 से हराया

ढाका, एजेंसी

गत चैंपियन भारतीय फुटबॉल टीम ने सैफ चैंपियनशिप 2026 में जीत के साथ अपने अभियान का शुरुआत की है। गुरुवार को बांग्लादेश के ढाका स्थित नेशनल स्टेडियम में खेले गए ग्रुप-बी के पहले मुकाबले में भारत ने अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को रोमांचक मुकाबले में 3-2 से शिकस्त दी। भारतीय टीम ने पहले हाफ में तीन गोल दागकर मजबूत बढ़त बना ली थी लेकिन पाकिस्तान ने इंजरी टाइम में दो गोल कर मुकाबले को रोमांचक बना दिया। हालांकि, भारत ने अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए जीत दर्ज की। मुकाबले की शुरुआत से ही भारतीय खिलाड़ियों ने आक्रामक रुख अपनाया। 13वें मिनट में सुहैल अहमद भट ने पाकिस्तानी रक्षापंक्ति को भेदते हुए शानदार गोल किया और भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई।

मुंबई इंडियंस में रहने की स्थिति में हार्दिक पंड्या को कप्तानी छोड़ देनी चाहिए : अंबाती रायुडू

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज और आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेल चुके अंबाती रायुडू का मानना है कि अगर हार्दिक पंड्या भविष्य में मुंबई इंडियंस (एमआई) के साथ बने रहते हैं, तो उन्हें कप्तानी छोड़ देना चाहिए। रायुडू ने कहा कि इससे हार्दिक अपने प्रदर्शन पर ध्यान दे पाएंगे।

रायडू ने क्रिकेट पर आधारित एक शो में कहा, मुझे लगा कि हार्दिक मुंबई में आकर फंस गया है। एक बार जब आपको लगता है कि आप फंस गए हैं, तो आप हमेशा अपने कंधे के पीछे देखते रहते हैं। एक बार जब ड्रेसिंग रूम में ऐसा होता है, तो आप ऐसे



तरीकों से सामने आते हैं जो आप नहीं चाहते। हार्दिक के लिए बहुत सी चीजें ठीक नहीं रहीं। यह हार्दिक की गलती भी हो सकती है और कुछ और भी।

पूर्व बल्लेबाज ने कहा, हार्दिक पंड्या अगर मुंबई इंडियंस के साथ बने रहते हैं, तो भी एमआई को अपना कप्तान बदलने की कोशिश करनी चाहिए और पांड्या को पूरी तरह से मैच जिताने वाले ऑलराउंडर के तौर पर काम करने देना चाहिए।

रायुडू ने कहा, एमआई में रहते हुए हार्दिक को कप्तान नहीं होना चाहिए। उसे बस अपना खेल खेलना चाहिए, अपने समय का आनंद लेना चाहिए और एमआई के लिए मैच-विनर बनना चाहिए। लेकिन अगर वह बाहर जाता है, तो निश्चित रूप से फिर से कप्तान नहीं, कम से कम एक सीजन के लिए तो नहीं। उन्होंने कहा, अगर पंड्या मुंबई से जाते हैं तो उन्हें पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपर किंग्स में अच्छा माहौल मिल सकता है।

व्यापार

अमेरिकी चुनाव समेत पांच कारकों ने घरेलू शेयर बाजार में भरा तूफानी जोश

नई दिल्ली, एजेंसी

घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को लगातार छठे कारोबारी दिन जबरदस्त तेजी का माहौल बना रहा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स आज कारोबार के दौरान 2100 अंकों से भी अधिक उछल गया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी लंबी अवधि के बाद क्लोजिंग बेसिस पर 24,500 के महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक स्तर को पार करने में सफल रहा। निफ्टी ने क्लोजिंग के आधार पर करीब तीन महीने बाद इस बड़े स्तर को दोबारा छुआ है।

बाजार में आई इस तूफानी तेजी के चलते आज लॉर्जकैप के चुनिंदा शेयरों में तो खरीदारी होती ही रही, ब्रॉडर मार्केट में उत्साह का माहौल बना रहा। इसकी वजह से मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स भी अच्छी मजबूती के साथ बंद हुए। धनतेरस के त्योहार से ठीक एक दिन पहले आई इस बंपर तेजी की बदौलत आज सिर्फ एक ही दिन में निवेशकों की पूंजी में सात लाख करोड़ रुपये से अधिक का बड़ा इजाफा दर्ज किया गया है। हालांकि, इस ऐतिहासिक उछाल के बीच बाजार में



आगामी उतार-चढ़ाव को मापने वाला इंडिकेटर इंडिया वीआईएक्स भी ढाई प्रतिशत बढ़कर 15.57 के स्तर पर पहुंच गया है, जो शॉर्ट टर्म में बाजार के भीतर वोलैटिलिटी बढ़ने की आशंका को दर्शाता है।

मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि घरेलू शेयर बाजार में आज आई इस जोरदार तेजी का श्रेय मुख्य रूप से पांच बड़े वैश्विक और घरेलू कारकों को दिया जा सकता है। इस तेजी की सबसे पहली और सबसे बड़ी वजह अमेरिका में हुए मध्यावधि चुनाव के नतीजे हैं, जहां राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा है। इसके साथ ही विपक्षी डेमोक्रेट पार्टी ने वहां की संसद (कांग्रेस) के दोनों सदनों पर अपना पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लिया है।

एक्सपर्ट्स का मानना है कि अमेरिका में विपक्ष की इस धमाकेदार जीत से डोनाल्ड ट्रंप के पास राजनीतिक ताकत कम हो जाएगी, जिससे उनके लिए मिडिल ईस्ट में ईरान के साथ चल रहे युद्ध को और आगे बढ़ाना या कोई बड़ा सैन्य कदम उठाना काफी मुश्किल हो जाएगा। जियो पॉलिटिकल टेंशन कम होने की इस उम्मीद ने अमेरिका से लेकर भारतीय शेयर बाजार तक के निवेशकों में भारी उत्साह भर दिया। इसी उत्साह की वजह से आज बाजार शानदार तेजी हासिल करने में सफल रहा।

बाजार की इस तेज छलांग के पीछे दूसरा सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण कारक अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई ऐतिहासिक गिरावट है। अमेरिका में सत्ता के संतुलन में आए इस बड़े बदलाव के बाद ओवरनाइट कारोबार के दौरान कच्चे तेल के भाव में आठ-आठ प्रतिशत की भारी फिसलन देखी गई, जिससे तेल की कीमत पहले प्रति बैरल 100 डॉलर और फिर 95 डॉलर के भी नीचे आ गई।

- ग्लोबल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड फिसल कर 95 डॉलर के करीब आ गया, वहीं अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड भी टूट कर 88 डॉलर प्रति बैरल के पास आ गया। मई महीने के बाद से कच्चे तेल की कीमत में एक ही दिन में होने वाली यह सबसे बड़ी गिरावट है, जिसने भारत जैसी ऑयल इंपोर्टर इकोनॉमी के लिए एक बड़े बूस्टर का काम किया है।
- इसके साथ ही, अमेरिकी चुनाव के नतीजों के कारण वहां की दस साल और दो साल की ट्रेजरी बॉन्ड यील्ड (बॉन्ड पर मिलने वाले ब्याज) में भी तेज गिरावट आई है। गिरावट के बाद ये दर घट कर क्रमशः 4.86 प्रतिशत और 4.56 प्रतिशत के स्तर पर आ गई है। बॉन्ड यील्ड के कम होने से हमेशा भारत जैसे उभरते बाजारों में विदेशी फंड्स का प्रवाह बढ़ता है, जिसका सीधा फायदा आज घरेलू स्टॉक मार्केट को मिला।
- इन वैश्विक बदलावों के अलावा भारतीय बाजार को घरेलू मोर्चे पर भी दो बड़े ट्रिगर्स का सहारा मिला। इसमें सबसे अहम भूमिका विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) द्वारा लगातार की जा रही भारी खरीदारी की है। विदेशी निवेशकों ने पिछले लगातार चार कारोबारी सत्रों के दौरान भारतीय शेयरों में कुल 20,834 करोड़ रुपये से अधिक की शुद्ध लिवाली की है, जिसमें से सबसे बड़ी खरीदारी अमेरिकी चुनाव नतीजों वाले दिन ही दर्ज की गई।

केंद्रीय करों में हिस्सेदारी के रूप में राज्यों को 1.09 लाख करोड़ रुपये जारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने त्योहारों को देखतेहुए गुरुवार को राज्यों को केंद्रीय करों में हिस्सेदारी के तहत नियमित किश्त के रूप में 1.09 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि समय से पहले जारी की है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक आमतौर पर 10 नवंबर को जारी होने वाली मासिक किश्त इस बार त्योहारों को देखते हुए 5 नवंबर को ही जारी कर दी गई है। मंत्रालय ने कहा कि केंद्र सरकार ने आगामी त्योहारों को देखते हुए और राज्यों को पूंजीगत व्यय बढ़ाने तथा विकास एवं कल्याण संबंधी खर्चों के वित्तपोषण में मदद के लिए केंद्रीय करों में हिस्सेदारी के तहत नियमित किश्त के रूप में 1,09,019 करोड़ रुपये की राशि अग्रिम रूप से जारी की है। केंद्र सरकार की ओर से एकत्रित करों का 41 फीसदी हिस्सा एक वित्त वर्ष के दौरान 14 किश्तों में राज्यों को हस्तांतरित किया जाता है।

स्टॉक मार्केट में बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स की मजबूत शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली, एजेंसी

स्टील प्रोसेसिंग सेक्टर की कंपनी बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरुआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 82 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 12.22 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 92.02 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 10.98 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 91 रुपये के स्तर पर हुई।

मजबूत लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर कुछ देर में ही उछल कर 96.62 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया और लगभग पूरे दिन उसी स्तर पर बना रहा। आज का कारोबार खत्म होने के कुछ देर पहले मुनाफा वसूली के चक्कर में हुई बिकवाली के कारण इस शेयर का अपर सर्किट ब्रेक हो गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद ये शेयर 94.61 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इस तरह पहले दिन के



कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 12.61 रुपये यानी 15.38 प्रतिशत का फायदा हो गया।

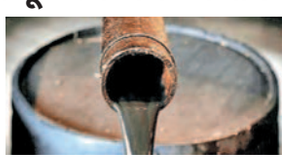
इस कंपनी का 183.06 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 अक्टूबर से दो नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 63.89 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 37.32 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 166.24 गुना सब्सक्रिप्शन आया था।

अमेरिकी चुनाव नतीजों के बाद लगातार चौथे दिन धड़ाम हुआ कच्चा तेल, ब्रेंट क्रूड 94 डॉलर से नीचे

नई दिल्ली,एजेंसी

वैश्विक कच्चे तेल बाजार में गुरुवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट दर्ज की गई। ब्रेंट क्रूड 94 डॉलर प्रति बैरल से नीचे फिसल गया, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई भी 87 डॉलर प्रति बैरल के नीचे पहुंच गया।

अमेरिकी मिडटर्म चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी की बड़ी जीत और ईरान के साथ संभावित तनाव कम होने की उम्मीदों ने तेल की कीमतों पर भारी दबाव डाला है। इस बीच, भारतीय रुपया लगातार पांचवें सत्र में मजबूत हुआ। बुधवार को 94.64 के स्तर पर बंद होने के बाद रुपया गुरुवार को 29 पैसे की बढ़त के साथ 94.35 प्रति डॉलर पर खुला।



बाजार में सबसे बड़ी चिंता रहे पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक जोखिमों का असर अब कम होता दिखाई दे रहा है। निवेशकों का मानना है कि अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदनों में डेमोक्रेटिक बढ़त के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए ईरान के खिलाफ आक्रामक सैन्य रुख अपनाना पहले की तुलना में अधिक कठिन हो सकता है। गुरुवार को ब्रेंट क्रूड करीब 1 प्रतिशत गिरकर 93.65 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.36 प्रतिशत टूटकर 86.92 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा।

3.43 अरब यूरो की इवेको डील

टाटा मोटर्स के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने पीएम मेलोनी से की मुलाकात

नई दिल्ली,एजेंसी

भारतीय ऑटोमोबाइल क्षेत्र की दिग्गज कंपनी टाटा मोटर्स ने वैश्विक वाणिज्यिक वाहन बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करते हुए इटली की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी इवेको ग्रुप के अधिग्रहण की प्रक्रिया में बड़ी सफलता हासिल की है।

इस ऐतिहासिक व्यापारिक सौदे के बाद टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने रोम स्थित पलाजो चिगी में इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात की। बैठक के दौरान चंद्रशेखरन ने इवेको ग्रुप में बहुलांश हिस्सेदारी हासिल करने के बाद टाटा समूह की रणनीतिक योजनाओं का खाका पीएम मेलोनी के समक्ष प्रस्तुत किया। यह उच्चस्तरीय मुलाकात भारत और इटली के बीच बढ़ते रणनीतिक, औद्योगिक और आर्थिक संबंधों की दिशा में एक अहम मील का पत्थर मानी जा रही है।

इवेको अधिग्रहण डील के मुख्य आंकड़े और शर्तें : टाटा मोटर्स ने इटली के प्रतिष्ठित इवेको ग्रुप में 89.42 प्रतिशत की नियंत्रक हिस्सेदारी हासिल की है। कंपनी ने अपने नकद निविदा प्रस्ताव के शुरुआती निपटान के बाद लगभग 3.43 अरब यूरो (करीब 31,000 करोड़ रुपये से



अधिक) में यह अधिग्रहण पूरा किया है। इस अधिग्रहण के साथ ही इवेको ग्रुप अब आधिकारिक तौर पर टाटा मोटर्स की अप्रत्यक्ष सहायक कंपनी बन गई है। फिलहाल दोनों कंपनियां एकीकरण और संयुक्त रणनीतिक योजना के अगले चरण में प्रवेश कर चुकी हैं।

इस विलय से वैश्विक स्तर पर एक बड़ा व्यापारिक साम्राज्य बनेगा : टाटा मोटर्स और इवेको ग्रुप के एक साथ आने से वाणिज्यिक वाहनों के क्षेत्र में एक वैश्विक पावरहाउस तैयार हुआ है। दोनों कंपनियों द्वारा जारी संयुक्त बयान के अनुसार, इनका एकीकृत नेटवर्क अब यूरोप, भारत, दक्षिण अमेरिका, एशिया, मध्य पूर्व और अफ्रीका के प्रमुख विकसित और उच्च-वृद्धि वाले 130 से अधिक देशों में फैल चुका है। इस विलय के बाद दोनों संस्थाओं का संयुक्त राजस्व 21 अरब यूरो (लगभग 2,28,000 करोड़ रुपये) तक पहुंच गया है। एन चंद्रशेखरन के अनुसार, अगले पांच वर्षों के दौरान दोनों कंपनियां मिलकर वॉल्यूम, राजस्व और मार्जिन में उल्लेखनीय वृद्धि का लक्ष्य लेकर चल रही हैं।

चेयरमैन चंद्रशेखरन ने इटली सरकार और तुरीन शहर का जताया आभार

तुरीन स्थित इवेको के मुख्यालय में आयोजित वैश्विक संवाद के दौरान एन चंद्रशेखरन ने अधिग्रहण प्रक्रिया में दिए गए सहयोग के लिए प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और उद्योग मंत्री एडोल्फो उर्सो का आभार व्यक्त किया। चंद्रशेखरन ने इस अवसर पर टाटा समूह के इटली के तुरीन शहर के साथ पुराने संबंधों को याद किया। उन्होंने बताया 1990 के दशक के उत्तरार्ध में जब तत्कालीन चेयरमैन रतन टाटा ने भारत की पहली स्वदेशी पैसेंजर कार (इंडिका) विकसित करने का निर्णय लिया था, तब उन्होंने तुरीन के प्रसिद्ध डिजाइन हाउस आइडिया की मदद ली थी। यही वजह है कि टाटा मोटर्स का तुरीन शहर से गहरा भावनात्मक और व्यावसायिक जुड़ाव रहा है।

हर अधिकारी एक आंगनवाड़ी केंद्र को गोद लेकर बनाए विकास का आदर्श मॉडल

भोपाल। महिला एवं बाल विकास विभाग के आयुक्त श्री संदीप जी.आर. ने कहा है कि आंगनवाड़ी केंद्रों को केवल पोषण एवं शाला पूर्व शिक्षा के केंद्रों तक सीमित न रखते हुए बच्चों के सर्वांगीण विकास के आदर्श केंद्रों के रूप में विकसित किया जाए। इसके लिए विभाग का प्रत्येक अधिकारी अपने नियमित शासकीय दायित्वों के अतिरिक्त कम से कम एक आंगनवाड़ी केंद्र को गोद लेकर उसके समग्र उन्नयन की व्यक्तिगत जिम्मेदारी निभाए। उन्होंने कहा कि केंद्रों में स्वच्छता, सुरक्षित एवं बाल अनुकूल वातावरण, बेहतर अधोसंरचना, गुणवत्तापूर्ण शाला पूर्व शिक्षा और उपलब्ध सुविधाओं में सुधार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। आयुक्त श्री संदीप जी.आर. गुरुवार को इंदौर में महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विभागीय योजनाओं और सेवाओं के जमीनी क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रशासनिक निगरानी के साथ अधिकारियों की व्यक्तिगत सहभागिता भी आवश्यक है। प्रत्येक अधिकारी अपने चयनित केंद्र को सभी दृष्टियों से आदर्श बनाने का प्रयास करे, जिससे अन्य केंद्रों को भी बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिले। आयुक्त श्री संदीप जी.आर. ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों में आने वाले बच्चों को स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। जिन स्थानों पर शासकीय भवन उपलब्ध नहीं हैं, वहां केंद्रों के संचालन के लिए उपयुक्त एवं बेहतर किराए के भवनों का चयन किया जाए।

अनुमान पिछले साल 14 हजार मेगावॉट के आसपास थी खपत, 2023 में 16,130 मेगावॉट तक पहुंची थी मांग

दिवाली पर 15 हजार मेगावॉट के पार पहुंच सकती है बिजली की मांग

भोपाल (नगर संवाददाता)

दीपावली पर इस बार प्रदेश में बिजली की मांग 15 हजार मेगावॉट के पार पहुंचने के आसार हैं। धनतेरस से ही बिजली की खपत में तेजी आने लगेगी।

पिछले साल दीपावली पर बिजली की अधिकतम मांग करीब 14 हजार मेगावॉट रही थी, जबकि वर्ष 2023 में यह 16,130 मेगावॉट तक पहुंच गई थी। वर्तमान में प्रदेश में बिजली की मांग 10 से 11 हजार मेगावॉट के बीच बनी हुई है। अनुमान है कि अगले दो-तीन दिनों में यह बढ़कर 13 हजार मेगावॉट से अधिक हो जाएगी और दीपावली पर 15 हजार मेगावॉट का आंकड़ा पार कर सकती है। इसे देखते हुए बिजली कंपनियों ने निर्बाध आपूर्ति की तैयारियां शुरू कर दी हैं।



पिछले सालों में दीपावली पर बिजली की डिमांड

साल	डिमांड
2021	11371 मेगावाट
2022	9846 मेगावाट
2023	16130 मेगावाट
2024	13325 मेगावाट
2025	14000 मेगावट

दरअसल, प्रदेश में बारिश और उमस का दौर समाप्त होने के बाद मौसम में ठंडक घुलने लगी है। ज्यादातर शहरों में रात का तापमान 15 डिग्री और दिन का तापमान 30 डिग्री के आसपास बना हुआ है। इससे घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में बिजली की खपत फिलहाल कम है। वहीं, रबी फसलों की सिंचाई का दौर भी अभी शुरू नहीं हुआ है। लेकिन दीपावली पर रोशनी, सजावट और बाजारों में बढ़ती गतिविधियों के कारण बिजली की मांग में अचानक उछाल आता है। धनतेरस से लेकर दीपावली के बाद तक लगातार चार-पांच दिन सामान्य दिनों की तुलना में तीन से चार हजार मेगावॉट अधिक बिजली की जरूरत पड़ती है।

उत्पादन इकाइयों को शत-प्रतिशत उत्पादन का लक्ष्य

दीपावली पर बिजली की मांग पूरी करने के लिए प्रदेश की बिजली कंपनियों ने आपूर्ति प्रबंधन की योजना तैयार की है। सभी बिजली उत्पादन कंपनियों को अपनी इकाइयों से अधिकतम उत्पादन करने का लक्ष्य दिया गया है। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के ताप विद्युत और जल विद्युत गृहों के अलावा इंदिरा सागर, ओंकारेश्वर और सरदार सरोवर परियोजनाओं से बिजली आपूर्ति में योगदान लिया जाएगा। इसके साथ ही केंद्रीय क्षेत्र, सासन परियोजना, स्वतंत्र बिजली उत्पादकों और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से भी बिजली उपलब्ध कराई जाएगी।

रबी सीजन में 21 हजार मेगावॉट के पार जा सकती है मांग

दीपावली के बाद दिसंबर और जनवरी में बिजली कंपनियों के सामने मांग पूरी करने की बड़ी चुनौती रहेगी। रबी सीजन में खेतों में सिंचाई शुरू होने के साथ बिजली की खपत तेजी से बढ़ती है। पिछले साल इस दौरान बिजली की मांग 19 हजार मेगावॉट के पार पहुंच गई थी। इस बार सरकार का अनुमान है कि रबी सीजन में अधिकतम मांग 21 हजार मेगावॉट से ऊपर जा सकती है। इसे देखते हुए बिजली कंपनियां अभी से उत्पादन और आपूर्ति की व्यवस्था दुरुस्त करने में जुट गई हैं।

नए साल से नई व्यवस्था, सरकार खुद देगी 2964 गौशालाओं को पशु आहार

भोपाल (नगर संवाददाता)

नए साल से प्रदेश की अनुदान प्राप्त गौशालाओं में अनुदान एवं पशु आहार वितरण व्यवस्था में सरकार बदलाव हो जाएगा। प्रदेश की पंजीकृत गौशालाओं में सरकार खुद पशु आहार उपलब्ध कराएगी। इसके लिए बुधवार को संचालनालय पशुपालन में आयोजित बैठक में पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मप्र गौसंवर्धन बोर्ड, मप्र राज्य दुग्ध महासंघ (सांची) और मप्र पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम के बीच एमओयू किया गया। अनुबंध के अनुसार राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सांची दुग्ध महासंघ भोपाल और मप्र पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम द्वारा पंजीकृत गौशालाओं तक सुदाना पशु आहार प्रदाय किया जाएगा। सरकार का दावा है कि इससे गौशालाओं में आश्रित निराश्रित गोवंश के भरण-पोषण की व्यवस्था को और प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। पशुपालन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि हमारा प्रयास है कि जनवरी, 2027 से पंजीकृत 2964 गौशालाओं को सुदाना पशु आहार की सप्लाई शुरू कर दी जाए।

आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि वर्तमान में पंजीकृत गौशालाओं को प्रति गाय प्रतिदिन 40 रुपए का अनुदान दिया जाता है। वर्तमान में प्रदेश की गौशालाओं को प्रति गाय प्रतिदिन 40 रुपए की दर से अनुदान दिया जाता है। इसमें 30 रुपए चारा-भूसा व गौशाला के रखरखाव पर होने वाले खर्च के लिए और 10 रुपए दाने के लिए शामिल हैं। नई व्यवस्था लागू होने के बाद गौशालाओं को 30 रुपए प्रतिदिन अनुदान मिलेगा, जबकि दाने के लिए निर्धारित 10 रुपए की राशि के बदले उन्हें सरकार की ओर से पशु आहार उपलब्ध कराया जाएगा।



सूत्रों का कहना है कि प्रदेश में गौशालाओं को हर साल करीब 720 करोड़ रुपए का अनुदान दिया जाता है। प्रति गाय प्रतिदिन मिलने वाली राशि को 40 से घटाकर 30 रुपए करने पर सीधे दिया जाने वाला अनुदान करीब 540 करोड़ रुपए सालाना हो जाएगा। शेष करीब 180 करोड़ रुपए की राशि पशु आहार की व्यवस्था के लिए मप्र राज्य दुग्ध महासंघ के खाते में जाएगी। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक प्रदेश में कुल 2964 अनुदान प्राप्त गौशालाएं संचालित हैं। इनमें करीब 5 लाख निराश्रित गायें रखी गई हैं। इन्हीं गायों की संख्या के आधार पर गौशालाओं को अनुदान और अब पशु आहार की सप्लाई की व्यवस्था की जाएगी। पशुपालन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि शासन को लगातार ऐसी शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ गौशालाओं में गायों को भूसा और चारा तो दिया जा रहा है, लेकिन उन्हें पर्याप्त मात्रा में दाना नहीं मिल रहा। इसके बाद सरकार ने दाने के लिए मिलने वाली राशि को गौशालाओं को सीधे देने की बजाय पशु आहार के रूप में उपलब्ध कराने का फैसला किया है। मप्र स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन के प्रदेश में चार संतुलित पशु आहार प्लांट संचालित हैं। इन्हीं प्लांट के माध्यम से गौशालाओं को पशु आहार उपलब्ध कराया जाएगा।

नई व्यवस्था से दो मुख्य फायदे होंगे

पशुपालन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक नई व्यवस्था से दो प्रमुख फायदे होंगे। पहला, मप्र दुग्ध महासंघ के संतुलित पशु आहार प्लांट का उत्पादन बढ़ेगा। उत्पादन बढ़ने से प्लांट का लाभ भी बढ़ेगा। दूसरा, नई व्यवस्था में गौशालाओं को पशु आहार खरीदने की जरूरत नहीं होगी। सरकार की ओर से निर्धारित मात्रा में दाना सीधे गौशालाओं को उपलब्ध कराया जाएगा।

गौशालाएं और निराश्रित गौवंश एक नजर में

- प्रदेश में कुल 2964 में गौशालाएं संचालित हैं, जिनमें लगभग 5 लाख गौवंश रखे गए हैं।
- कुल 10.37 लाख निराश्रित गौवंश हैं, जिनमें से शेष 5 लाख से ज्यादा गौवंश के लिए 100 गौवंश की क्षमता वाली 5144 गौशालाओं की जरूरत होगी।
- प्रदेश के 1.87 करोड़ गौवंश में से लगभग 70 प्रतिशत गौवंश अवर्णित नस्ल के हैं।

दो हथियार तस्करों से चार पिस्टल,एक देशी कट्टा और सात कारतूस बरामद

भोपाल (नगर संवाददाता)

हनुमानगंज पुलिस ने अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चार पिस्टल, एक देशी कट्टा, पांच मैगजीन और सात जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में एक के खिलाफ पहले से एनडीपीएस एक्ट का मामला दर्ज है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर हथियारों की खरीद-फरोख्त के संबंध में जानकारी जुटा रही है।



हनुमानगंज पुलिस ने सिंधी कॉलोनी चौराहे के पास से दबोचा, रिमांड पर लेकर पूछताछ

पुलिस के मुताबिक 3 नवंबर को मुखबिर से सूचना मिली कि सिंधी कॉलोनी चौराहे के पास एक व्यक्ति अवैध पिस्टल लेकर किसी वारदात की फिराक में घूम रहा है। सूचना पर हनुमानगंज पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर संदिग्ध भागने लगा, लेकिन घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया। तलाशी लेने पर उसके पास से दो पिस्टल, दो मैगजीन और दो जिंदा कारतूस मिले। पूछताछ में उसकी पहचान टोल वाली मस्जिद के पीछे तलैया निवासी फरमान मोहम्मद (32) के रूप में हुई। फरमान से पूछताछ में उसके साथी ऐशबाग निवासी अतीक उर्फ बबलू (49) के बारे में जानकारी मिली। पुलिस ने उसे भी हिरासत में लेकर तलाशी ली तो उसके कब्जे से दो पिस्टल, एक देशी कट्टा, तीन मैगजीन और पांच जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी मिलकर अवैध हथियारों की तस्करी करते थे। पुलिस ने उन्हें न्यायालय में पेश कर पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया है। पुलिस अब हथियारों के स्रोत और इनके नेटवर्क के संबंध में पूछताछ कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

स्वामित्व योजना में प्रदेश में 15.98 लाख से अधिक पंजीयन पूरे

भोपाल। स्वामित्व योजना के तहत मध्यप्रदेश में अब तक 15 लाख 98 हजार 46 पंजीयन पूरे किए जा चुके हैं। योजना का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को उनकी आवासीय भूमि और मकानों का वैधानिक अधिकार देना है। अधिकार अभिलेख मिलने से ग्रामीण अपनी संपत्ति के आधार पर बैंक ऋण और अन्य वित्तीय सुविधाओं का लाभ ले सकेंगे। योजना में ग्रामीण आबादी भूमि पर स्थित पात्र मकानों और भूखंडों का पंजीयन निशुल्क किया जा रहा है। प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने के लिए 'सारा' अनुप्रयोग और 'संपदा 2.0' जैसी डिजिटल तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। इससे संपत्ति का सत्यापन और अभिलेख तैयार करने का काम आसान हुआ है। साथ ही भूमि संबंधी विवादों में कमी लाने में भी मदद मिल रही है।

प्रदेश की पंजीकृत गौशालाओं तक पहुंचेगा सुदाना पशु आहार

भोपाल। प्रदेश की पंजीकृत गौशालाओं में संरक्षित निराश्रित गोवंश के बेहतर भरण-पोषण के लिए सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। अब गौशालाओं तक सुदाना पशु आहार पहुंचाया जाएगा। इसके लिए बुधवार को पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मध्यप्रदेश गौसंवर्धन बोर्ड, मध्यप्रदेश राज्य दुग्ध महासंघ (सांची) और मध्यप्रदेश पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम के बीच अनुबंध किया गया।

[अनदेखी] त्यौहार पर बेची जा रही अधिकतर मिठाई संदेह के दायरे में

मीठे के स्वाद में छिपा मिलावट का मुनाफा तीस दिन में मिठाई के 171 नमूने अमानक

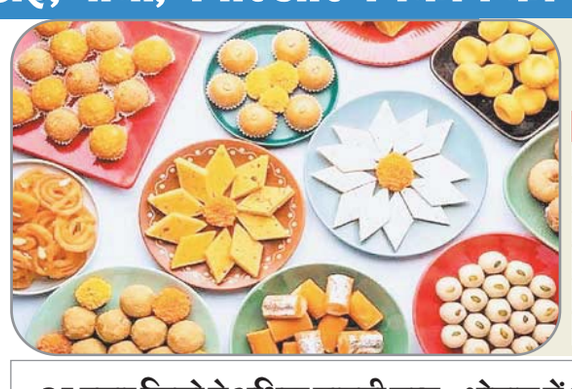
दीपावली पर मिठाई, मावा, पनीर और नमकीन की गुणवत्ता पर सवाल

- 35 हजार किलो से अधिक सामग्री जब्त
- 1894 नमूनों की जांच रिपोर्ट अब भी बाकी

भोपाल (नगर संवाददाता)

दीपावली पर बाजार मिठाइयों से सजे हैं और दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ उमड़ रही है, लेकिन त्योहार की इस मिठास में मिलावट का खतरा भी छिपा है।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्रवाई में प्रदेशभर में जांचे गए खाद्य नमूनों में 7.62 प्रतिशत सामग्री अमानक मिली है। एक अक्टूबर से एक नवंबर 2026 के बीच विभाग ने 2243 नियमित नमूने लिए। इनमें गड़बड़ी मिलने पर 171 मामलों में कार्रवाई की गई। 21 खाद्य कारोबारियों के लाइसेंस और पंजीयन निलंबित किए गए, जबकि 150 के खिलाफ प्रकरण दर्ज किए गए। सबसे चिंताजनक बात यह है कि लिए गए कुल नमूनों में से 1894 की जांच रिपोर्ट अब तक सामने नहीं आई है। ऐसे में बाजार में बिक रही मिठाइयों और अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर सवाल बने हुए हैं।



क्या कहते हैं खाद्य सुरक्षा अभियान के आंकड़े

कार्रवाई	संख्या
नियमित नमूने	2243
अमानक खाद्य सामग्री	7.62 प्रतिशत
लाइसेंस-पंजीयन निलंबित	21
प्रकरण दर्ज	150
जब्त सामग्री	35,181 किलो
जब्त सामग्री की कीमत	1.32 करोड़ रुपए

35 हजार किलो से अधिक सामग्री जब्त

खाद्य सुरक्षा प्रशासन के आंकड़ों के मुताबिक, कार्रवाई के दौरान प्रदेश में 35,181 किलो खाद्य सामग्री जब्त की गई, जिसकी कीमत करीब 1.32 करोड़ रुपये बताई गई है। त्योहार के दौरान मावा, दूध, घी, पनीर, खाद्य तेल और मिठाइयों की मांग बढ़ने से मिलावट की आशंका भी बढ़ जाती है। सोनपापड़ी, लड्डू, बर्फी और काजू कतली जैसी मिठाइयों में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की गुणवत्ता पर निगरानी जरूरी है।

भोपाल में 35 दुकानों के नमूने अमानक

राजधानी में पिछले तीन महीनों के दौरान 35 दुकानों से लिए गए नमूने प्रयोगशाला जांच में अमानक पाए गए। रानी स्वीट की मावा कतली, राजोरिया होटल और अजय बेकरी की मावा बर्फी में मिथ्या छाप मिली। तन्वी इंटरप्राइजेज का नमकीन खुरमा और कनक फैंसी स्टोर की लौंग सेव भी अमानक पाई गई। इस अवधि में करीब 6.50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। जिन खाद्य पदार्थों में गड़बड़ी सामने आई, उनमें मावा, बर्फी, पनीर, दूध, घी शामिल है।

रिपोर्ट में देरी से मिलावटखोरों को मौका

त्योहार पर मांग बढ़ने के साथ ही मिठाइयों और पैकेट बंद खाद्य सामग्री का उत्पादन भी बढ़ जाता है। ऐसे में निर्माण स्थल से ही नमूने लेकर उनकी तत्काल जांच जरूरी है। लेकिन नमूने लेने और रिपोर्ट आने के बीच लगने वाला समय मिलावट की पुष्टि और कानूनी कार्रवाई में देरी का कारण बन सकता है। जब तक रिपोर्ट आती है, तब तक संबंधित सामग्री बाजार में बिक चुकी होती है। इसलिए केवल नमूने लेना पर्याप्त नहीं, समय पर जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई भी जरूरी है।

इनका कहना है...

त्योहार के दौरान बाजार में बिकने वाले खाद्य पदार्थों की लगातार जांच की जा रही है। पैकेट बंद सामग्री पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। निर्माण स्थलों से भी नमूने लिए जा रहे हैं।

- **मनोज पुष्प,** नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन

अच्छी खबर : नीट प्री-पीजी परीक्षा में प्रशिक्षु चिकित्सकों को भी मिलेंगी 30 प्रतिशत सीटें

- उच्च न्यायालय के निर्देश, रिपोर्टिंग और दस्तावेज सत्यापन का कार्य 10 नवंबर तक

भोपाल (नगर संवाददाता)



मध्य प्रदेश में नीट पीजी की परीक्षा में उत्तीर्ण 4,776 अभ्यर्थियों की 3,052 सीटों के लिए 10 नवंबर तक प्रवेश प्रक्रिया (काउंसिलिंग) चल रही है। इस बीच उच्च न्यायालय का फैसला आया है कि इस काउंसलिंग में 30 प्रतिशत सीटों पर अस्पतालों में कार्यरत प्रशिक्षु डॉक्टरों को भी अवसर दिया जाए। इससे इन अभ्यर्थियों को राहत मिली है। पहले दौर का सीट आवंटन परिणाम पिछले सप्ताह जारी हो चुका था। अब कॉलेजों में रिपोर्टिंग और दस्तावेज सत्यापन का कार्य 10 नवंबर तक जारी है।

बताया गया है कि प्रथम चरण की मेरिट सूची में 30 प्रतिशत से अधिक इन-सर्विस अभ्यर्थियों को शामिल किए जाने के मामले को जबलपुर हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। जबलपुर हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश जारी किया है। यह आदेश मुख्य न्यायाधीश अल्पेश कोगजे और न्यायमूर्ति विवेक जैन की खंडपीठ ने दिया। पीठ ने ओपन कैटेगरी के अभ्यर्थियों की याचिका पर सुनवाई कर सेवारत डॉक्टरों के लिए सीट आवंटन की सीमा निर्धारित की है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आदित्य सांघी ने अदालत में पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि पीजी मेडिकल शिक्षा में मेरिट का सबसे अधिक महत्व है। अधिक अंक पाने वाले उम्मीदवारों को उनकी योग्यता के अनुसार सीट मिलनी चाहिए। लेकिन संयुक्त सूचियों के कारण आवंटन प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। इससे बेहतर मेरिट वाले छात्र पसंदीदा विशेषज्ञता में प्रवेश से वंचित हो सकते हैं।

याचिकाकर्ताओं का आरोप था कि दोनों श्रेणियों के अभ्यर्थियों की मेरिट सूचियां आपस में मिला दी गईं। इससे ओपन कैटेगरी के उम्मीदवारों की मेरिट और सीट आवंटन प्रभावित हो रहा था। अदालत के सामने दोनों श्रेणियों की मेरिट सूचियां अलग रखने का मुद्दा भी उठाया गया। फिलहाल हाईकोर्ट ने मध्य प्रदेश शासन और चिकित्सा शिक्षा संचालक को नोटिस जारी किया है। दोनों पक्षों को गुरुवार, 5 नवंबर तक जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए गए हैं।

5086 स्वीकृत पदों में से 2579 चिकित्सक कार्यरत

एमपी प्री-पीजी काउंसलिंग का पहला चरण अभी चल रहा है। इसकी सीट आवंटन और प्रवेश प्रक्रिया 10 नवंबर को समाप्त होनी है। ऐसे में अगली सुनवाई और सरकार के जवाब पर सभी की नजर रहेगी। हाईकोर्ट के आदेश से फिलहाल खुली श्रेणी के अभ्यर्थियों को राहत मिली है। बता दें कि मध्य प्रदेश के जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और सिविल अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों के कुल 5,086 स्वीकृत पदों में से 2,579 डॉक्टर कार्यरत हैं, जबकि शेष पद रिक्त हैं। कोर्ट के निर्णय के बाद स्वास्थ्य विभाग लगभग 50 प्रतिशत रिक्त पदों को भी काउंसलिंग से भरेगा।

इनका कहना है...

मप्र में पीजी काउंसलिंग शुरू कर दी गई है। यह प्रक्रिया माननीय न्यायालय के निर्देशों के अनुसार चल रही है। चिकित्सा शिक्षा विभाग को कहा गया है कि न्यायालय के निर्देशों के अनुसार अस्पतालों में कार्यरत चिकित्सकों को भी काउंसलिंग में शामिल करें।

- **राजेंद्र शुक्ल,** उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा मंत्री, मप्र

स्वामी, प्रकाशक: अली आदिल खान द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस डी-85, सेक्टर-8, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर 201301 से मुद्रित और एच-41ए, अबुल फजल एन्क्लेव, जामिया नगर, दक्षिण पूर्व दिल्ली-110025 से प्रकाशित। संपादक: अली आदिल खान
RNI No: DELMUL/2012/47011 | Email :timesofpedia@gmail.com | समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार तथा समस्त विवाद दिल्ली न्यायलय के अधीन होंगे।